कोटद्वार, गुरूवार
5 जून 2025
वर्षः 47
अंकः 43 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

पर्वतीय पटवारियों का पहले चरण का आंदोलन समाप्त

देहरादून। पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, राजस्व उपनिरीक्षक एवं राजस्व सेवक संघ का पहले चरण का आंदोलन बुधवार को समाप्त हो गया। संघ को शासन के साथ वार्ता का आश्वासन मिला। संघ ने चेतावनी दी कि यदि जल्द राजस्व पुलिस का काम वापस न लिया गया तो चरणबद्ध आंदोलन तेज किया जाएगा। संघ ने मंगलवार और बुधवार को प्रदेश स्तर पर कार्य बहिष्कार का ऐलान किया था। बुधवार को भी प्रदेश भर में पर्वतीय क्षेत्रों की तहसीलों में पटवारियों से जुड़ा कोई कामकाज नहीं हुआ। अध्यक्ष विजयपाल सिंह मेहता ने कहा कि राजस्व पुलिस का काम जल्द से जल्द वापस लेना होगा। हाईकोर्ट के आदेशों को सख्ती के साथ लागू करना होगा। बिना संसाधनों के राजस्व पुलिस का काम संभव ही नहीं है। इसके साथ ही बिना संसाधनों के फार्मर रजिस्टर बनाने का अंश निर्धारण का काम भी नहीं हो सकता। ऐसे में बिना संसाधनों के कोई काम नहीं किया जाएगा। अध्यक्ष मेहता ने कहा कि सरकार के साथ जल्द वार्ता का संदेश लेकर विधायक कपकोट सुरेश गड़िया पहुंचे। आश्वासन दिया गया कि जल्द मांगों के निस्तारण को शासन में वार्ता सुनिश्चित कराई जाएगी। बुधवार को विरोध जताने वालों में महामंत्री महिपाल पुंडीर, विनोद रावत, दिकपाल बोरा, गुलाब सिंह, श्याम सिंह तोमर, देवेंन्दर कंडारी, जगदीश परिहार, त्रिभुवन बोरा, अतुल, शिव सिंह आदि मौजूद रहे।

ड्रिल मशीन से टकराई बाइक, बेटे की मौत, माता–पिता घायल

विकासनगर। माता–पिता को लांघा रोड बाइक से छोड़ने जा रहे एक युवक की बाइक मलूकावाला में सड़क पर खड़ी दूरसंचार कंपनी के ड्रिल मशीन से टकरा गई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि माता–पिता भी घायल हो गए। पिता की हालत गंभीर बताई जा रही है। उन्हें लेहमन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना पर मौके पर पहुंची ने शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया है। मृतक कबड्डी का खिलाड़ी रह चुका था। वर्तमान में वह निजी कंपनी में काम करता था। जानकारी के मुताबिक 24 वर्षीय मयंक पुत्र सतीश निवासी भीमावाला के माता–पिता हरिद्वार दवा लेने जा रहे हैं।

मयंक दोनों को अपनी बाइक से छोड़ने के लिए सुबह करीब पांच बजे लांघा रोड तक जा रहा था। मलूकावाला में एक दूर संचार की कंपनी लाइन बिछा रही है। सड़क पर उन्होने अपनी ड्रिल मशीन खड़ी की हुई थी। बताया जा रहा है कि विकासनगर की ओर से जब मयंक लांघा रोड की तरफ जा रहा था तो उसी दौरान लांघा रोड से विकासनगर की ओर एक ट्रक आ रहा था। ट्रक की रोशनी मयंक की आंखों में पड़ी तो वह सड़क पर खड़े ड्रिल मशीन से टकरा गया। टरकाने से मशीन के पुर्जे उसके पेट में घुस गए। जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि पीछे बैठे उसके पिता सतीश भी गंभीर घायल हो गए। मां सरस्वती देवी को भी हल्की चोंटे आई हैं। कोतवाल विनोद गुसाईं ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने बताया कि मयंक कबड्डी खिलाड़ी रह चुका है। वह कबड्डी में नेशनल खेल चुका है।

पंखे से लटककर युवक ने की आत्महत्या

रुड़की। कमरे में पंखे से लटक कर एक युवक ने बुधवार को आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच पड़ताल कर रही है। मृतक एक पेपर मिल में कार्य करता था। बुधवार शाम को मखदूमपुर गांव निवासी 28 वर्षीय दीपक कुमार ने अपने कमरे के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने दरवाजा खोलने का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया गया है कि मृतक लाठरदेवा हुण स्थित एक पेपर मिल में कार्य करता था। उसकी नवंबर 2024 में शादी हुई थी। इंस्पेक्टर शांति कुमार गंगवार ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में सचिवालय में किये गये तीन महत्वपूर्ण समझौते

●उत्तराखण्ड में सामाजिक विकास के क्षेत्रों में कार्य के लिए किया गया समझौता ●महाविद्यालयों में एआई आधारित व्यक्तित्व विकास के लिए आधुनिक कोर्स संचालन के लिए हुआ समझौता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उपस्थिति में बुधवार को सचिवालय में तीन महत्वपूर्ण समझौते किये गये। उत्तराखंड सरकार, सेतु आयोग और टाटा ट्रस्ट ने सामाजिक विकास के क्षेत्रों में कार्य के लिए समझौता किया गया। उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में भारत का प्रमुख कौशल केंद्र बनाने की दिशा में सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग, तकनीकी शिक्षा विभाग और नैस्कॉम/आईटी–आईटीईएस सेक्टर स्किल काउंसिल के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। राज्य को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने के लिए भी सेतु आयोग, उच्च शिक्षा विभाग और वाधवानी फाउंडेशन के बीच त्रिपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। उत्तराखंड में सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए टाटा ट्रस्ट के साथ 10 साल के लिए किए गए समझौते के तहत

जल प्रबंधन, पोषण, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण आजीविका और ग्रीन एनर्जी जैसे क्षेत्रों में मिलकर काम किया जाएगा। उत्तराखंड को टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रमुख कौशल केंद्र बनाने के लिए नैस्कॉम के साथ हुए समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी और निजी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा और प्रत्येक जिले में एक मॉडल कॉलेज को 'मेंटर संस्थान' के रूप में विकसित किया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य के लगभग 1.5 लाख छात्रों को फ्यूचर स्किल्स प्राइम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डाटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी, पायथन, जनरेटिव जैसे क्षेत्रों में जानकारी और कौशल विकास करना है। उत्तराखंड को उभरती टेक्नोलॉजी और छात्रों के रोजगार परक व्यक्तित्व विकास के लिए कौशल विकास केंद्र बनाने हेतु वाधवानी फाउंडेशन के साथ तीन वर्षों के लिए किये गये समझौते के तहत राज्य के सभी सरकारी उच्च शिक्षण संस्थानों में कोर्सेस को अगले सत्र से शैक्षणिक क्रेडिट के साथ शामिल किया जाएगा।

इस पहल का उद्देश्य राज्य के लगभग 1.20 लाख छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित व्यक्तित्व विकास और स्वरोजगार सम्बंधित कौशल विकास में सहायता प्रदान करना है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि सामाजिक विकास, राज्य को डिजिटल टैलेंट का केन्द्र बनाने और एआई आधारित व्यक्तित्व विकास के आधुनिक कोर्स प्रारंभ करने के लिए आज हुए तीनों समझौते राज्य के लोगों के लिए अत्यधिक उपयोगी होंगे।

केदारनाथ में दूसरे दिन भी बर्फबारी, बढ़ी ठंड

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम में दूसरे दिन भी बर्फबारी हुई जबकि बारिश भी लगातार जा रही है। इससे धाम में एक बार फिर से ठंड बढ़ गई है। खराब मौसम के चलते यहां रात को तापमान माइनस 4 तक भी पहुंच रहा है। हालांकि यात्रियों को ठंड से किसी तरह की दिक्कत न हो इसके लिए अलाव की भी व्यवस्था की गई है। बीते दो दिनों से केदारनाथ में लगातार बर्फबारी हो रही है। जून के महीने में केदारनाथ धाम ही नहीं अन्य निचले इलाकों में भी ठिठुरन हो रही है। बुधवार को केदारनाथ में सुबह साढ़े 10 बजे से बारिश और बर्फबारी शुरू हो गई जो साढ़े 12 बजे तक जारी रही। हालांकि जो बर्फ गिरती रही वह तुरंत पिघलने भी लगी। जिससे धाम में बर्फ जमा नहीं हो पा रही है। बारिश और बर्फबारी से कुछ जगहों पैदल मार्ग में कीचड़ हो रहा है। जिससे यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। केदारनाथ में लगातार खराब मौसम के चलते हेली सेवाएं भी कई बार प्रभावित हो रही है। बुधवार को भी हेली सेवाएं रुक-रुक कर चलती रही। इधर, यात्रियों को केदारनाथ में खराब मौसम के चलते अपनी व्यवस्थाओं के साथ यात्रा करने की भी सलाह दी गई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने यात्रियों से अपील करते हुए कहा कि वे पैदल यात्रा करने से पूर्व बरसाती, गरम कपड़े, जूते, गरम मौजे, छाता, रेन कोट सहित जरूरी सामान जरूर साथ में रखें। ताकि यात्रा मार्ग में उन्हें किसी तरह की दिक्कतें न हो। कपड़े भीगने की स्थिति में अन्य गरम कपड़े भी साथ में रखें।

निर्माणाधीन ब्रिज के पास मोड़ पर सीमेंट से भरा ट्राला इको कार पर पलटा, 9 की मौत

●दो परिवार के लोग शादी समारोह में शामिल होकर जा रहे थे घर● मृतकों में पांच बच्चे और चार बड़े शामिल

झाबुआ, ,जिले के थांदला–मेघनगर के बीच संजेली रेलवे फाटक के पास भीषण सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। बुधवार रात लगभग 2 बजे निर्माणाधीन ओवर ब्रिज के पास मोड़ पर ट्राला कार के ऊपर पलट गया, जिससे उसमें सवार 9 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया और 2 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। ट्राले का ड्राइवर हादसे के बाद फरार हो गया। जानकारी के अनुसार हादसे के शिकार दो परिवार के लोग शादी समारोह से लौट रहे थे। इसमें 5 बच्चे, 3 महिलाएं और एक पुरुषों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे में एक महिला और एक बच्ची घायल हुई है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

भावपुरा में शादी समारोह से लौट रहे थे परिजन

कार में सवार लोग कल्याणपुरा के पास भावपुरा ग्राम से शादी समारोह से लौट रहे थे, तभी सजेली फाटक के समीप निर्माणाधीन पुल के समीप ट्राला ईको कार जीजे 09 बीएल 5956 पर पलट गया। जिसमें ईको पूरी तरह ट्राले के नीचे दब गई। इस दौरान उसमें सवार 9 लोगों की मौत हो गई।

सूचना मिलते पुलिस और एम्बुलेंस पहुंची मौके पर

हादसे का शिकार हुए 8 लोग शिवगढ़ महुड़ा तहसील मेघनगर जिला झाबुआ के बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही थांदला और मेघनगर की पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची व घायलों सिविल अस्पताल थांदल व मेघनगर अस्पताल पहुंचाया।

बदरीनाथ धाम क्षेत्र को संवारने को चार पर्यटन योजनाओं को मंजूरी

देहरादून। श्री बदरीनाथ धाम मास्टर प्लान क्षेत्र के सौंदर्यकरण को कैबिनेट ने बुधवार को चार योजनाओं को मंजूरी दी। इन योजनाओं को कॉरपोरेट घरानों के सीएसआर फंड से पूरा कराया जाएगा। सचिव गोपन शैलेश बगोली ने बताया कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिशा निर्देश पर श्री बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत पुनर्निर्माण के कार्य किए जा रहे हैं। इस योजना के तहत श्री बदरीनाथ धाम में एराईवल प्लाजा पर बदरीनाथ धाम क्षेत्र में एराइवल प्लाजा में सुदर्शन चक्रआर्टवर्क का काम किया जाएगा। कैबिनेट ने अति विशिष्ट प्रकार की कलाकृति बनाए जाने की मंजूरी दी। इसके साथ ही श्री बदरीनाथ धाम में एराइवल प्लाजा पर झील क्षेत्र के पास शेषनेत्र लोटस वॉल का स्ट्रक्चर तैयार किया जाएगा। इसके साथ ही टूरिज्म मैनेजमेंट सेंटर बिल्डिंग के पास सुदर्शन चौक में आर्टवर्क का काम किया जाएगा। चौथी योजना के रूप में बदरी नारायण चौक में पेड़, नदियों की कलाकृति का निर्माण होगा।

हरिद्वार ही नहीं सभी जमीन घोटालों की सीबीआई जांच कराए सरकारः हरीश

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने हरिद्वार जमीन घोटाले पर सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि ये तो एक बानगी भर है, भाजपा सरकार में प्रदेशभर में ऐसे कई घोटाले हुए हैं। जहां कई सौ एकड़ भूमि को ऐसे ही ठिकाने लगा दिया गया और किसी को कानों–कान खबर तक नहीं हुई। उन्होंने कहा कि बिना राजनीतिक संरक्षण के यह सब संभव नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने हरिद्वार सहित प्रदेशभर में भूमि से संबंधित ऐसे सभी मामलों की न्यायिक देखरेख में सीबीआई जांच कराए जाने की मांग की है। बुधवार को डिफेंस कॉलोनी स्थित अपने आवास पर आयोजित प्रेसवार्ता में पूर्व मुख्यमंत्री रावत ने कहा कि हरिद्वार में हुआ ताजा भूमि घोटाला प्रदेश का पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी इस तरह के तमाम घोटाले हुए, जांच भी हुई, लेकिन बाद में सब रफा–दफा कर दिए गए। देहरादून, ऊधमसिंह नगर, हल्द्वानी, रुद्रपुर आदि स्थानों के मामले चर्चा में रहे। जब तक उच्च स्तरीय न्यायिक जांच नहीं होगी,

सही तथ्य सामने नहीं आएंगे। उन्होंने कहा कि हरिद्वार मामले में जो अधिकारी सस्पेंड हुए हैं, कुछ दिन बाद मामला ठंडा पड़ने पर बहाल हो जाएंगे। अन्य मामलों की तरह ये कहानी भी कब दफन हो जाएगी, किसी को पता भी नहीं चलेगा।

मलिन बस्तियों के मालिकाना हक को दबाकर बैठी है भाजपा सरकारः पूर्व मुख्यमंत्री ने मलिन बस्तियों के मालिकाना हक का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि उनके शासनकाल में उन्होंने विधानसभा में एक्ट पारित कर मलिन बस्तियों को मालिकाना हक दिया था। वर्ष 2016 से पहले जो लोग इन बस्तियों में बसे थे, उन्हें स्थायी किया जाना था। पांच सौ परिवारों को यह हक मिल भी गया था। लेकिन बाद में भाजपा सरकार ने इस एक्ट को ही दबा दिया। उन्होंने कहा कि अब देहरादून में बिंदाल और रिस्पना किनारे बसे लोगों को उजाड़ने की फिर से बात हो रही है। लेकिन बदले में मुआवजा देने की बात नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि वर्ष 2016 के बाद जितने भी अवैध कब्जे हुए हैं, वह सब भाजपा विधायकों की देन हैं। अब बिना वैकल्पिक व्यवस्था के उन्हें उजाड़ा जा रहा है, यह सही नहीं है।

पंचायत चुनाव जिसकी वजह से लटके, उसे दंडित करे सरकारः पूर्व सीएम ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश की सबसे छोटी इकाई त्रिस्तरीय पंचायतें अनाथ हैं। सरकार समय पर चुनाव नहीं करा पाई अजीब स्थिति है।

देश में जातिगत जनगणना की तारीखें घोषित

नई दिल्ली , देश में बहुप्रतीक्षित जातिगत जनगणना की तारीख आखिरकार सामने आ गई है। यह जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसका पहला चरण 1 अक्टूबर, 2026 से शुरू होगा।

दूसरे चरण की शुरुआत 1 मार्च, 2027 से होगी। पहले चरण में जाति आधारित जनगणना चार राज्यों उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और जम्मू कश्मीर में कराई जाएगी। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होगा जब जातियों की गणना जनगणना के साथ की जाएगी।

पिछले महीने ही केंद्र की मोदी सरकार ने इस जातिगत जनगणना को अपनी मंजूरी दी थी। उल्लेखनीय है कि भारत में वर्ष 1931 के बाद से कोई जातिवार जनगणना नहीं हुई है। देश में नियमित जनगणना हर दस वर्ष के अंतराल पर होती है। पिछली जनगणना वर्ष 2011 में हुई थी, जबकि वर्ष

2021 में होने वाली जनगणना कोविड–19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी।

देश में लंबे समय से जातिगत जनगणना की मांग उठ रही थी। इस मांग पर अंतिम मुहर लगने के बाद अब इसकी तिथियां भी घोषित कर दी गई हैं। आजादी के बाद से 1951 से 2011 तक सात बार और कुल मिलाकर 15 बार जनगणना हो चुकी है। इन जनगणनों में अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की गणना तो की जाती रही है, लेकिन अन्य जातियों की गिनती नहीं की जाती थी।

1931 के बाद से कोई जातिवार जनगणना न होने के कारण, एससी–एसटी की जनसंख्या के आंकड़े तो उपलब्ध थे, लेकिन ओबीसी की सटीक संख्या ज्ञात नहीं थी, जिससे आरक्षण नीतियों को लागू करने में अस्पष्टता बनी रहती थी।

कुछ प्रभावशाली ओबीसी जातियों को आरक्षण का अधिक लाभ मिला, जबकि कमजोर ओबीसी जातियां हाशिए पर रहीं। कई राजनीतिक दलों का मानना है कि कुछ ओबीसी जातियां सामाजिक और आर्थिक रूप से इतनी मजबूत हो चुकी हैं कि उन्हें आरक्षण सूची से बाहर किया जा सकता है।

2017 में गठित रोहिणी आयोग ने भी ओबीसी वर्ग में उप–श्रेणियां बनाने का सुझाव दिया था ताकि कमजोर जातियों को अधिक लाभ मिल सके, हालांकि, इस आयोग की रिपोर्ट अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। अब जातिगत जनगणना की घोषणा के साथ, इन सभी पहलुओं पर विस्तृत जानकारी मिलने की उम्मीद है।

अनियंत्रित कार गंगनहर में गिरी, चालक की मौत

रुड़की। मोहम्मदपुर जट पावर हाउस के निकट मंगलवार की देर रात एक कार अनियंत्रित होकर गंगनहर में गिर गई। पुलिस ने कार को गंगनहर से बाहर निकाला। हादसे में कार चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमास्टम के लिए भेज दिया। साथ ही परिजनों को मामले की जानकारी दी। सूचना के बाद परिजन नारसन पहुंच गए थे। बुधवार को नारसन पुलिस को सूचना दी गई कि मोहम्मदपुर झाल के पास एक कार नहर में गिरी हुई है।

सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और गंगनहर से एक दिल्ली नंबर की होंडा सिटी कार बरामद हुई। जिसके पीछे के शीशे टूटे हुए थे। कार के अंदर एक व्यक्ति का शव मिला। मृतक के शरीर पर कहीं चोट के निशान नहीं मिले। वाहन के अंदर एक आधार कार्ड मिला जिससे उक्त व्यक्ति की शिनाख्त धर्मेंद्र पुत्र बलबीर सिंह निवासी भोगांव सहारा मैनपुरी उम्र 49 वर्ष के रूप में हुई है।

केलाखेड़ा में पुलिस टीम पर हमला, 2 दरोगा समेत 4 कर्मी घायल

काशीपुर। केलाखेड़ा के गांव विधि का मझरा में कूड़ा डालने को लेकर विवाद हो गया। जिसे सुलझाने पहुंची पुलिस टीम पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। जिसमें दो दरोगा समेत चार लोग घायल हो गये। केलाखेड़ा थाने में एसआई देवेंद्र राजपूत की तहरीर पर पुलिस ने 3 महिलाओं समेत 9 आरोपियों पर केस दर्ज किया है। आरोपियों की धरपकड़ के लिए पुलिस दबिश दे रही है। जानकारी के मुताबिक गांव विधि का मझरा निवासी मोहन लाल पुत्र हरदयाल सिंह का गांव में खाली प्लॉट है। मोहन लाल का आरोप है कि उनके प्लॉट में कमला और उनका परिवार कूड़ा डालते हैं। इसका कई बार विरोध भी किया, पर आरोपी नहीं माने। इसी बात को लेकर मंगलवार दोपहर दोनों में झगड़ा हो गया। मोहनलाल ने कमला और उसके परिजनों की शिकायत पुलिस से की। शिकायत पर मंगलवार देर शाम एसआई देवेंद्र राजपूत, एसआई हरीश मेहर, सिपाही महेंद्र बिष्ट, सिपाही दिनेश धपोला और प्रवीण मौके पर पहुंचे। लोगों को समझाने के दौरान कमला पक्ष के लोगों ने पुलिस पर आरोप लगाया कि वह मोहन का पक्ष ले रहे हैं। समझाने के बाद पुलिस चली गई। देर रात मोहन ने पुलिस को बताया कि उसको दूसरे पक्ष के लोगों से जान माल का खतरा है। जिस पर पुलिस टीम गांव पहुंची। पुलिस को देखकर दूसरे पक्ष के लोग आग बबूला हो गये और पुलिस टीम से अभद्रता कर दी। आरोप है कि बनवारी लाल पुत्र चेतराम, राजेश, जसपाल व पंकज पुत्रगण बनवारी लाल, कमला पत्नी बनवारी लाल, बाबू राम पुत्र चेतराम, दीपक पुत्र ठाकुर सिंह, पुष्पा पत्नी बाबू राम और सुनीता पत्नी अनिल ने पुलिस टीम से मारपीट शुरू कर दी। जिसमें एसआई देवेंद्र राजपूत, एसआई हरीश मेहर, महेंद्र बिष्ट और दिनेश धपोला को चोटें आई।

उत्तराखंड में कोविड–19 को लेकर धामी सरकार ने जारी की एडवाइजरी

– कोविड–19 को लेकर राज्य में स्थिति पूरी तरह सामान्य, लेकिन एहतियात जरूरी : डॉ. आर. राजेश कुमार

देहरादून। देशभर में कोविड–19 की स्थिति जहां इस समय नियंत्रण में है, वहीं उत्तराखंड में भी संक्रमण को लेकर हालात पूरी तरह सामान्य हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार किसी प्रकार की ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है। संभावित जोखिमों से बचाव और सतर्कता के मद्देनज़र स्वास्थ्य विभाग ने विशेष एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देशानुसार यह विस्तृत गाइडलाइन जारी की गई है। इसके तहत सभी जिलों में निगरानी तंत्र को और अधिक सुदृढ़ करने, अस्पतालों में आवश्यक संसाधन और व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने तथा संक्रमण से बचाव के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने स्पष्ट किया है कि "राज्य में फिलहाल कोविड को लेकर स्थिति पूरी तरह सामान्य है, लेकिन किसी भी संभावित जोखिम

के लिए हमें पूरी तरह तैयार रहना होगा।" इसी क्रम में प्रदेशभर में स्वास्थ्य सुविधाओं, उपकरणों और मानव संसाधनों को सक्रिय मोड में रखा गया है।

स्वास्थ्य सचिव ने बताया कि वर्तमान में भारत सरकार द्वारा कोविड–19 को लेकर किसी खतरे की स्थिति घोषित नहीं की गई है। न ही कोई नया वेरिएंट सक्रिय रूप से फैल रहा है। संक्रमितों में भी केवल मामूली लक्षण पाए जा रहे हैं और वे सामान्य इलाज से घर पर ही ठीक हो रहे हैं। फिर भी संभावित खतरों से निपटने के लिए राज्य पूरी तरह सतर्क और तैयार है।

जिलों को दिए गए विशेष निर्देश

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि, ऑक्सीजन, दवा और उपकरण पूरी तरह चालू रखने को कहा स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी जिलाधिकारियों, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्यों और मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों को यह निर्देशित किया गया है कि अस्पतालों में पर्याप्त बिस्तरों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

ऑक्सीजन सप्लाई, जरूरी दवाएं और उपकरण जैसे वेंटिलेटर, इढअढ मशीनें, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और ढरअ ऑक्सीजन संयंत्र पूरी तरह कार्यशील स्थिति में रहें।

निगरानी तंत्र को सुदृढ़ बनाने पर ज़ोर

सचिव ने निगरानी प्रणाली को और अधिक मजबूत करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके तहत इन्फ्लुएंजा जैसे लक्षण (क्छक), गंभीर तीव्र श्वसन संक्रमण (रअफ्क्र) और कोविड के मामलों की अनिवार्य रिपोर्टिंग की जाए। सभी सरकारी व निजी स्वास्थ्य संस्थाएं और लैब्स प्रतिदिन क्ल्र्क्ढ पोर्टल पर रिपोर्ट अपलोड करें। क्छटफके कोविड–19 परीक्षण दिशा–निर्देशों के अनुसार जांच कराई जाए। रअफ्क्र और क्छक मामलों की संख्या बढ़ाई जाए और सभी रअफ्क्र मामलों की जांच अनिवार्य रूप से हो।

नए वेरिएंट की समय रहते पहचान

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि कोविड पॉजिटिव सभी सैंपल को हॅर हेतु भेजा जाए ताकि संभावित नए वेरिएंट की समय रहते पहचान हो सके। कोविड प्रबंधन में लगे स्टाफ के लिए रिफ्रेशर ट्रेनिंग कराई जाए और राज्य को प्रतिदिन स्थिति की रिपोर्ट भेजी जाए।

सतर्कता और जन सहयोग

स्वास्थ्य सचिव ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अफवाहों से बचें, जिम्मेदार नागरिक की तरह व्यवहार करें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। सतर्कता और सहयोग से ही हम भविष्य में भी कोविड जैसी बीमारियों से सुरक्षित रह सकते हैं।

मीडिया समन्वय के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग ने कोविड–19 से जुड़ी सभी मीडिया समन्वय गतिविधियों के लिए राज्य स्तर पर अधिकारियों की नियुक्ति कर दी है। डॉ. पंकज कुमार सिंह, सहायक निदेश-ाक (आईडीएसपी–राज्य सर्विलांस अधिकारी) को कोविड–19 मीडिया समन्वय हेतु नोडल अधिकारी नामित किया गया है।

उनकी सहायता के लिए डॉ. सौरभ सिंह, सहायक निदेशक (आईडीएसपी, एनएचएम), को सह प्रभारी नियुक्त किया गया है। सरकार द्वारा स्पष्ट किया गया है कि इस कार्य के लिए दोनों अधिकारियों को किसी प्रकार का अतिरिक्त भत्ता देय नहीं होगा। विभागीय स्तर पर निर्देशित किया गया है कि उक्त आदेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

क्या करें और क्या न करें

स्वास्थ्य विभाग ने कोविड–19 को लेकर जन–सामान्य में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाने को कहा है। इसके तहत लोगों को '३२' यानी क्या करें और क्या न करें के बारे में जानकारी दी जाएगी।

सम्पादकीय

मां का शैतानी रूप

आज हमारा समाज किस दिशा में जा रहा है उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है। रिश्तो में दूरियां और मर्यादा का टूटना आम बात हो चुकी है लेकिन यदि माता–पिता ही अपने ही बच्चों को अपराध के रास्ते पर डालने के लिए विवश करें या फिर उन्हें ऐसे दलदल में खींच ले जाए जहां बच्चों का पूरा जीवन ही बर्बाद हो जाए तो ऐसे माता–पिता को दानव का दर्जा ही दिया जा सकता है। हरिद्वार में ऐसा ही एक सनसनीखेज प्रकरण सामने आया है जिसमें वेश्यावृत्ति करने वाली एक महिला ने अपनी ही कोख से जन्मी 13 वर्ष की बेटी को जब अपने प्रेमी व उसके दोस्तों के साथ सामूहिक बलात्कार का शिकार बनवा दिया। घटना सामने आने के बाद समूचा उत्तराखंड हतप्रभ रह गयाक्योंकि घटना धार्मिक नगर हरिद्वार से जुड़ी हुई थी जहां मां गंगा और अविरल रूप से बहती है। प्रकरण सामने आने के बाद हरिद्वार पुलिस ने इस कलयुगी मां और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया लेकिन इस घटना ने अपने पीछे ऐसे कई अनगिनत सवाल छोड़ दिए कि क्या आज के आधुनिक युग में ऐसे माता–पिता अपने बच्चों को सुरक्षा देना तो दूर उल्टे उनके लिए कहीं खतरा तो नहीं बन रहे हैं? इधर प्रकरण में राजनीति भी गरमाने लगी है क्योंकि आरोपी महिला एक राष्ट्रीय दल से जुड़ी हुई बताई जा रही है जिसे लेकर सोशल मीडिया पर भी काफी टिप्पणियां की जा रही है। हालांकि इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता की ऐसे आपराधिक प्रवृत्ति के लोग अपने इन्हीं कृत्यों को छुपाने के लिए राजनीतिक दलों की शरण भी लेते हैं लेकिन यहां राजनीतिक दलों का भी यह कर्तव्य बनता है कि वह किसी को भी महत्वपूर्ण पद देने से पहले उनकी पृष्ठभूमि की अच्छी तरह से जांच करें। महिला को राष्ट्रीय दल में महिला प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी पूर्व में दी जा चुकी थी और शायद उसने अपने इसी पद की आड़ में अपने रसूक का प्रयोग इस अवैध काम के लिए करना शुरू कर दिया। महिला अब प्रेमी के साथ जेल में है लेकिन जो कुछ भी उसने अपनी पुत्री के साथ जबरन करवाया उसका क्या असर उसे मासूम नाबालिक बच्ची पर पड़ेगा यह तो खुद वही बच्ची जान सकती है। रिश्तो की मर्यादा को तार–तार करने वाले पिता–पुत्री के कई मामले तो सुनाई देते रहे हैं लेकिन कोई मां ही अपनी नाबालिक छोटी बच्ची को सामूहिक दुराचार का शिकार बनवाएगी इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। कृत्य की संवेदनशीलता को देखें तो ऐसे लोगों की सजा सामाजिक तौर पर ही होनी चाहिए लेकिन तंत्र में कानून के अनुसार ही चलना पड़ता है। उम्मीद की जा सकती है कि इस प्रकरण में न्यायालय छोटी बच्ची की मानसिक स्थिति एवं उसके साथ हुए गंभीर कृत्य को भी संवेदनशील दायरे में रखेगी और आरोपियों को ऐसी सजा देगी जो एक मिसाल बनेगी।

मोहम्मद यूनिस भी चाइना से मिलकर पूर्वोत्तर भारत में साजिशे रच रहे

अजय दीक्षित

बांग्लादेश में भारत विरोधी सरकार है।पूर्व में ही एक अन्य देश म्यांमार में सैनिक शासन है और वहां ग्रह युद्ध चल रहा है।ऑर्गन आर्मी ने तीस प्रतिशत उस भूभाग पर कब्जा कर लिया जहां से कार्दन कोरिडोर गुजर रहा है जिसे भारत चिकन नेक के वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित कर रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी और गोहाटी की दूरी भी कम हो सके और दूसरा रास्ता भी मिल जाय।क्योंकि इस मुर्गे की गर्दन पर बांग्लादेश की ब्लैक मेलिंग पूर्वी पाकिस्तान के समय से चल रही है और चाइना की नजर हमेशा अरुणाचल प्रदेश और अन्य पूवीत्तर राज्यों पर बनी रहती है। जब शेख हसीना सरकार बांग्लादेश में थी तब भारत आराम दायक स्थिति में था लेकिन मुस्लिम कट्टर पंथियों की जमायत इस्लामी सरकार ऐसा लगता है कि 1971 से पहले की स्थिति को बांग्लादेशी आवाम को भूलने का अभियान चला रही है और चाइना पूरी तैयारी के साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश को हवा दे रहा हैं।

मोहम्मद यूनिस ने हाल ही में चाइना में कहा कि चिकन नेक भारत की दुखती रग है।ये बात उन्होंने ऐसे समय पर कही है जब भारत और बांग्लादेश के संबंधों में निर्वासित शेख हसीना की भारत में उपस्थिति को लेकर तल्खी आयी है। उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अगस्त 2025 से भारत में शरण ले रखी है। और बांग्लादेश पर मुस्लिम कट्टर पंथियों जमायते इस्लामी संगठन का कब्जा है। भारत एक ऐसा देश है कि जो अपने पड़ोसियों देशों से परेशान हैं क्योंकि अभी हाल ही में पाकिस्तान के साथ पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद तीन दिनों का युद्ध भी हुआ। बांग्लादेश में भारत विरोधी सरकार है।पूर्व में ही एक अन्य देश म्यांमार में सैनिक शासन है और वहां ग्रह युद्ध चल रहा है।ऑर्गन आर्मी ने तीस प्रतिशत उस भूभाग पर कब्जा कर लिया जहां से कार्दन कोरिडोर गुजर रहा है जिसे भारत चिकन नेक के वैकल्पिक मार्ग के रूप में विकसित कर रहा है ताकि जरूरत पड़ने पर पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी और गोहाटी की दूरी भी कम हो सके और दूसरा रास्ता भी मिल जाय।क्योंकि इस मुर्गे की गर्दन पर बांग्लादेश की ब्लैक मेलिंग पूर्वी पाकिस्तान के समय से चल रही है और चाइना की नजर हमेशा अरुणाचल प्रदेश और अन्य पूवीत्तर राज्यों पर बनी रहती है। जब शेख हसीना सरकार बांग्लादेश में थी तब भारत आराम दायक स्थिति में था लेकिन मुस्लिम कट्टर पंथियों की जमायत इस्लामी सरकार ऐसा लगता है कि 1971 से पहले की स्थिति को बांग्लादेशी आवाम को भूलने का अभियान चला रही है और चाइना पूरी तैयारी के साथ पाकिस्तान और बांग्लादेश को हवा दे रहा हैं।

चाइना भारत के बहुआयामी कोरिडोर जो म्यांमार से त्रिपुरा तक जमीनी रास्ते से जाएगा उसमें भी अड़ंगा डाल रहा है यद्यपि आर्गन आर्मी ने यह हिस्सा अपने कब्जे में लिया है मगर चाइना म्यांमार की सैनिक शासन की मदद कर रहा है वहां गृह युद्ध चल रहा है।

बांग्लादेश के सलाहकार मोहम्मद यूनिस ने चाइना बीजिंग में प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चिकन नेक कमजोर कड़ी है।दरअसल पश्चिमी बंगाल के जलपाईगुड़ी से असम, मेघालय मिजोरम, नागालैंड त्रिपुरा, मणिपुर,जाने का बीस किलोमीटर चौड़ा और 1800 किलोमीटर रास्ता भारत भूमि है और ये आजादी के समय ब्रिटिश ने गजट नोटिफाइड की थी।बाकी हिस्सा

पा किस्तान को चला गया जो बंगाल की खाड़ी तक जाते हैं। भारत ने 2010 में कार्डन से होता हुआ समुद्र के रास्ते पिखलुआ तक फोर लेन रोड म्यांमार से सूकी के शासन में अनुबंधित किया था 2025 तक इरकॉन को इसे बनाना था मगर सैनिक बलों ने सूकी को जेल में डाल दिया। तख्ता पलटकर फौज शासन में आ गई।तो पूरी परियोजना को नए सिरे से अप्रैल 2025 में फिर शुरू किया मगर जिस ज़मीन पर यह त्रिपुरा तक जानी है उस पर अब म्यांमार के विद्रोही गुटों का कब्जा है जिन्हें अमेरिका से मदद मिली हुई है। म्यांमार 1937 से पूर्व भारत का हिस्सा था इसे वर्मा कहते थे और भारत के लोग यहां तक कि उत्तर प्रदेश के लोग तत्कालीन वर्मा देश में व्यवसाय भी करते थे लेकिन कालांतर में ब्रिटिश ने इस हिस्से को वहां रहने वाली जनजाति के कारण भारत से अलग राष्ट्र बना दिया।सूकी के पिता यहां के प्रथम प्रधानमंत्री बने थे सूकी दिल्ली में पड़ी है और अच्छी हिंदी भाषा बोली और लिख देती हैं।

मोहम्मद यूनिस इन दिनों भारत के खिलाफ अभियान चला रहे क्योंकि वह काफी अरसे से अमेरिका में रह कर भारत का विरोध इस आधार पर करते थे क्योंकि शेख हसीना सरकार भारत के हित को ध्यान रखती थी। हालांकि वे चाइना से भी संबंध रखते थे परंतु भारत की अनदेखी नहीं करती थीं। लेकिन अगस्त 2024 से बांग्लादेश और भारत के संबंध पहले जैसे नहीं रहे।

जाति आधारित राजनीति

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जातिगत जनगणना से विकास के विभिन्न क्षेत्रों में पीछे छूट गए लोगों की मदद की बात की। 'ऑपरेशन सिंदूरङ की सफलता और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी की सटीकता पर भी विचार रखे। सम्मेलन में मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली वषर्गांठ और सुशासन के मुद्दों पर भी चर्चा की गई। जातिगत जनगणना को लेकर सरकार ने अचानक अपनी रणनीति बदली है। 1931 के बाद देश में जातिगत जनगणना नहीं हुई, तब पिछड़ी जातियां 52 प्रतिशत थीं। जाति आधारित राजनीति के पांव जमाने से पहले आजादी के तुरत बाद 1951 से दलितों व जनजातियों की अलग से गणना होने लगी। जातिवादी राजनीति के हावी होते ही, विपक्ष लंबे अरसे से जातिगत जनगणना की मांग कर रहा है। जिस पर मोदी सरकार ने कभी रुख स्पष्ट नहीं किया। मगर संघ के जातिगत जनगणना के समर्थन में विचार देते ही सरकार ने इसकी घोषणा कर दी। तर्क है कि वंचितों के लिए नीतियां बनाने में आसानी होगी तो इसका विरोध करने वाले मानते हैं इससे समाज में दरारें आ सकती हैं। जातियों को वोट बैंक के नाम पर भुनाने वाले और आरक्षण समर्थकों के लिए नये मुद्दे उभर कर सामने आ सकते हैं।वास्तव में अतिपिछड़ों व वंचितों के उत्थान के लिए उठाए गए कदम अपनी भूमिका निभाने में असफल नजर आते हैं। आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक सशक्तिकरण के बगैर समानता की कल्पना भी नहीं की जा सकती। योजनाओं और प्रचार में अव्वल सरकार के लिए ये सिर्फ शिगूफे न साबित हों, यह ख्याल किया जाना जरूरी है। रही बात पाक से संघर्ष की तो इसके लिए सशस्त्र बलों के बलिदान और साहस पर समूचा देश भाव–विह्वल है। मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों का फर्ज है, वे शहीदों व युद्ध प्रभावितों के परिजनों की भरपूर मदद में कोई कोताही न करें। दुश्मन मुल्क से लगी सीमा के रहवासियों को हुई जान–माल की भरपाई की भी अनदेखी नहीं होनी चाहिए। बंद कमरों में आला–कमान की प्रशस्ति काफी नहीं कही जा सकती। हालांकि देश के राजनीतिक दलों में जिस तरह का अधिनायकवाद हावी है, वहां आंतरिक लोकतंत्र की कल्पना भी नहीं की जा सकती। जबकि इन बैठकों में सरकारी योजनाओं व कार्यपण्राली की आलोचनात्मक बात होनी चाहिए और सरकारी सहायता पहुंचाने में जनप्रतिनिधियों में जिम्मेदारीपूर्णता से निर्वहन की खुली चर्चा होनी चाहिए।

डोनाल्ड ट्रंप का अड़ियल रुख

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ (ईयू) से सभी आयात पर एक जून से 50 फीसद टैरिफ लगाने की घोषणा की और कहा कि उनके साथ व्यापार वार्ता बेनतीजा रही। अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर ट्रंप ने लिखा है कि यूरोपीय संघ दशकों से अमेरिका का शोषण कर रहा है। भारी व्यापारिक बाधाओं, वैट टैक्स, ज्यादा कॉरपोरेट जुर्माने, मुद्रा में हेरफेर और अनुचित मुकदमेबाजी के जरिए उसने अमेरिका को खासा नुकसान पहुंचाया है। ट्रंप का कहना है कि ईयू के इन अनुचित तौर–तरीकों के चलते अमेरिका को हर साल 250 अरब डॉलर का व्यापार घाटा हो रहा है। ट्रंप का फैसला कड़ा है, लेकिन हैरत में डालने वाला नहीं। इसलिए कि दूसरी बार सत्ता में आने से काफी पहले वह अपने प्रचार के दौरान जोर–शोर से अमेरिका फर्स्ट की बात कह रहे थे।

वीर क्रांतिकारी राजा भभूतसिंह

—दुर्गेश रायकवार

मध्य भारत की धरती, विशेषकर मालवा और नर्मदा तटवर्ती सतपुड़ा क्षेत्र, प्राचीन समय में अवंतिका महाजनपद का हिस्सा रही है। इस क्षेत्र की महादेव पहाड़ियाँ, ताप्ती और नर्मदा की घाटियाँ, हजारों वर्षों से धार्मिक और आध्यात्मिक साधना की भूमि रही हैं। यहाँ का कोरकू आदिवासी समाज भोलेनाथ को अपना आराध्य और कुल देवता मानता है। ऐसा विश्वास है कि कोरकू समाज भोलेनाथ के गणों और उनके अनुयायियों के वंशज हैं।

कोरकू समुदाय का प्रभुत्व 18वीं सदी तक इस सम्पूर्ण भूभाग में स्थापित था। राजा भभूतसिंह कोरकू, इसी परंपरा के एक ऐसे सिद्ध पुरुष और जागीरदार थे, जिनका प्रभुत्व पचमढ़ी, हर्राकोट, पातालकोट, तामिया, बोरी, मढ़ई, हरियागढ़, केसला, बैतूल और हरदा तक फैला हुआ था।

राजा भभूतसिंह का जीवन चमत्कारिक शक्तियों, आध्यात्मिक सिद्धियों और रणकौशल का अद्वितीय संगम था। वे तंत्र–मंत्र, जड़ी–बूटियों और वन औषधियों में पारंगत थे। कहा जाता है कि उन्होंने ऐसी दिव्य औषधियों का प्रयोग कर रखा था जिससे उनके शरीर पर किसी भी अस्त्र–शस्त्र का प्रभाव नहीं होता था। उन्होंने बूटी को अभिमंत्रित कर अपने शरीर में स्थापित किया था और इस कारण से लोहे के हथियार उनके शरीर को नुकसान नहीं पहुँचा सकते थे।

उनके शरीर की अमरता की कथा भी प्रसिद्ध हैः राजा केवल हरे बांस की लकड़ी से ही मृत्यु को प्राप्त हो सकते थे, यह रहस्य केवल उनके सबसे निकटस्थ एक मित्र को ज्ञात था।

1857 के स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जब तात्या टोपे और उनकी सेना अंग्रेजों से संघर्ष करते हुए सतपुड़ा पहुँचे, तब उन्होंने राजा भभूतसिंह की शरण ली। अक्टूबर 1858 के अंतिम सप्ताह में फतेहपुर के सरैया घाट से तात्या टोपे ने नर्मदा पार की और पचमढ़ी क्षेत्र में प्रवेश किया। राजा भभूतसिंह ने गुफाओं के माध्यम से उन्हें हरियागढ़, बोरदई और फिर मुलताई क्षेत्र की ओर भेजा।

अंग्रेज कप्तान जेम्स फोर्सिथ को जब यह पता चला कि भभूतसिंह ने तात्या टोपे को शरण दी है, तो उसने फतेहपुर के नवाब आदिल मोहम्मद खान के माध्यम से राजा से तात्या को सौंपने का आग्रह किया। लेकिन निडर भभूतसिंह ने अंग्रेजों के सामने झुकने से इनकार कर दिया।

जुलाई 1859 में राजा भभूतसिंह ने खुलेआम विद्रोह कर दिया। अंग्रेजों ने मिलिट्री पुलिस और मद्रास इन्फेंट्री की टुकड़ी को भेजा।

देनवा घाटी में युद्ध हुआ जो लगभग छह महीनों तक चला। कोरकू योद्धाओं की गुप्त युद्ध नीति और पहाड़ी मार्गों की जानकारी अंग्रेजों के भारी हथियारों पर भारी पड़ी।

कहा जाता है कि युद्ध के दौरान राजा ने चिरौठा के दानों को मंत्रों से अभिमंत्रित कर मधुमक्खियों में परिवर्तित किया और उन्हें युद्ध के एक हथियार के रूप में प्रयोग किया। भभूतसिंह द्वारा अपनाई गई छापामार युद्ध रणनीति बिल्कुल शिवाजी महाराज जैसी थी – अदृश्य रहकर प्रहार करना और जंगलों की भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाना।

एक बार राखी पर्व के अवसर पर भभूतसिंह अपनी मुंह बोली बहन से राखी बंधवाने खारी गाँव पहुँचे। वहीं किसी ने अंग्रेजों को गुप्त सूचना दे दी। अंग्रेजों ने उन्हें चारों तरफ से घेर लिया, लेकिन उनकी दिव्य शक्ति के कारण उन्हें बाँधना असंभव था। कहा जाता है कि राजा का एक विश्वासपात्र मित्र, जो उनकी शक्तियों और रहस्यों से परिचित था, अंग्रेजों से मिल चुका था। उसी की गद्दारी से भभूतसिंह को पकड़ने में अंग्रेज सफल हुए।

अंग्रेजों ने उन्हें यातनाएँ दीं, परंतु वे अपने खजाने और रहस्यों की जानकारी देने को तैयार नहीं हुए। जब शारीरिक यातनाएँ बेअसर रहीं, तो उन्हें अन्न–जल से वंचित रखा गया। इसके बावजूद वे अंत तक अडिग रहे।

1860 में अंग्रेजों ने उन्हें जबलपुर में मृत्युदंड दिया। कुछ प्रमाणों में कहा गया है कि उन्हें फांसी दी गई, वहीं कुछ में कहा गया कि उन्हें गोलियों से छलनी कर मार दिया गया। अंग्रेजों ने उनके नामोनिशान मिटाने के प्रयास में उनके राज्य को वन विभाग को सौंप दिया। यह घटना भारतीय इतिहास में पहली थी जब किसी आदिवासी की शहादत के बाद उनकी जागीर को वन क्षेत्र घोषित किया गया।

आज भी देनवा नदी के तट पर राजा भभूतसिंह का बग़ीचा और भभूतकुण्ड विद्यमान है, जिसमें बारहमासी जल भरा रहता है। चौरागढ़ मंदिर में उनके द्वारा चढ़ाए गए पत्थर के त्रिशूल आज भी दर्शनार्थियों को वीरता और भक्ति का संदेश देते हैं।

राजा भभूतसिंह की वीरता और बलिदान को कोरकू समाज ने लोकगीतों और भजनों के माध्यम से जीवित रखा है। पचमढ़ी क्षेत्र के गाँवों, मंदिरों और लोक संस्कृति में आज भी उनकी गाथाएँ सुनाई जाती हैं। राजा भभूतसिंह न केवल एक योद्धा थे, बल्कि वे जनजातीय चेतना और आत्मसम्मान के प्रतीक बन चुके हैं।

उनकी मृत्यु के बाद अंग्रेजों का कोप कोरकू समाज पर टूटा। अनेक कोरकू लोग पहाड़ों में छुप गए, कुछ अन्य गोंड जागीरदारों के पास चले गए, तो कुछ तात्या टोपे के साथ महाराष्ट्र तक पहुँच गए। अनेक लोगों ने अपनी पहचान छिपा ली और अपने गोत्र/सरनेम बदल लिए।

राजा भभूतसिंह की वीरगाथा, अंग्रेज अधिकारी एलियट की 1865 की सेटलमेंट रिपोर्ट में भी दर्ज है। वे सतपुड़ा क्षेत्र के शिवाजी कहे जाते हैं। अफसोस है कि जिस योद्धा ने अंग्रेजों से दो वर्षों तक सतत संघर्ष किया, वह इतिहास की पुस्तकों में उचित स्थान नहीं पा सका।

राजा भभूतसिंह कोरकू एक ऐसा नाम हैं, जो केवल कोरकू समाज का नहीं, पूरे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का गौरव हैं। उनका जीवन आदिवासी अस्मिता, देशभक्ति, और आध्यात्मिक शक्ति का जीवंत उदाहरण है। उनके बलिदान और शौर्य की गाथा को राष्ट्रीय पटल पर लाना, आज की पीढ़ी का नैतिक कर्तव्य बनता है।

राजा भभूतसिंह कोरकू – एक नाम नहीं, एक स्वाभिमान की ज्वाला हैं, जो आज भी सतपुड़ा की वादियों में गूंजती है।

अनुष्का शेट्टी स्टारर घाटी की नई रिलीज डेट से उठा पर्दा

फिल्म मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर फिल्म घाटी का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म की नई रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। जानिए कब देख सकेंगे बहुबली फेम एक्ट्रेस अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी।

अनुष्का शेट्टी की फिल्म घाटी के साथ बड़े पर्दे पर शानदार वापसी करने जा रही हैं। यह फिल्म कृष जगरलामुडी द्वारा निर्देशित है और अब 11 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। पहले इस फिल्म को 18 अप्रैल 2025 में रिलीज किया जा रहा था। निर्माताओं ने नई रिलीज डेट की घोषणा के साथ एक शोनादार पोस्टर भी शेयर किया है, जो फिल्म के दमदार अंदाज को दर्शाता है। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज की जाएगी। इस पोस्टर में एक नदी में सभी स्टार्स किसी को सामने घूरते नजर आ रहे हैं, जैसे वह सभी किसी खास मिशन पर गए हों। फिल्म निर्माताओं ने आज इंस्टाग्राम पर फिल्म घाटी के नए पोस्टर के साथ इसकी नई रिलीज डेट से भी पर्दा उठा दिया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा, अपना सिंहासन हासिल करने और बॉक्स ऑफिस पर विजय पाने के लिए आ रही है। प्त घाटी 11 जुलाई को दुनिया भर में भव्य रिलीज प्त घाटी11 जुलाई घाटी में अनुष्का एक साहसी और देहाती किरदार निभा रही हैं, जो एक मारिजुआना व्यापारी है। जो बाद में अपराध की दुनिया में उतरकर एक ताकतवर शख्सियत बन जाती है। फिल्म में बहुबली फेम अनुष्का शेट्टी के अलावा तमिल अभिनेता विक्रम प्रभु भी महत्वपूर्ण भूमिका में नजर आएंगे।

आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद विराट कोहली ने शेयर किया पहला पोस्ट

अहमदाबाद,। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने मंगलवार को महामुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपनी मेडन इंडियन प्रीमियर लीग ट्रॉफी जीत ली.

कप्तान रजत पाटीदार की अगुवाई में आरसीबी ने अपना पहला खिताब जीत लिया. आरसीबी के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने टीम के साथ 18 साल बाद अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी हासिल की. जिसके बाद वो मैदान पर भावुक हो गए. इस खिताबी जीत के बाद सुपरस्टार बल्लेबाज कोहली ने आज सुबह पहला पोस्ट शेयर किया है. विराट कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतने के बाद अपनी भावनाओं को डाई हार्ड फैंस के सामने जाहिर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया. इस दौरान उन्होंने खिताब जीतने के बाद स्पेशल मोमेंट की कुछ खास तस्वीरों के साथ इंस्टाग्राम पर आज पहली पोस्ट शेयर की.

18 साल में 17 कप्तान बदले, नहीं बदला भाग्य

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सीजन के समापन के साथ ही पंजाब किंग्स की किस्मत एक बार फिर दगा दे गई। अहमदाबाद में मंगलवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में आसीबी ने उसे हराकर पहली बार आईपीएल ट्राफी जीती और पंजाब की टीम 11 साल बाद खिताब के इतने करीब आकर एक बार फिर चूक गई।

2008 से लेकर 2025 तक पंजाब की टीम ने फ्रेंचाइजी का नाम (किंग्स इलेवन पंजाब से पंजाब किंग्स) बदला, इन 18 सालों में 17 कप्तान बदले, लेकिन टीम का भाग्य नहीं बदल सका। पंजाब के पहले कप्तान युवराज सिंह थे, जिन्होंने टीम को नई पहचान दी। उनकी कप्तानी में टीम ने 2008 में सेमीफाइनल तक सफर तय किया। इसके बाद जैसे कप्तानी की अदला–बदली का खेल शुरू हो गया।

युवराज के बाद महेला जयवर्धने, कुमार संगकारा, एडम गिलक्रिस्ट, डेविड मिलर, डेविड हसी, जार्ज बेली, मुरली विजय, ग्लेन मैक्सवेल, रविचंद्रन अश्विन, केएल राहुल, मयंक अग्रवाल और शिखर धवन जैसे कई खिलाड़ियों ने कप्तानी संभाली, लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। इनमें सबसे सफल कप्तान अगर देखा जाए तो 2014 में जार्ज बेली का नाम सबसे ऊपर आता है।

बॉक्स ऑफिस पर भूल चूक माफ की कमाई में बढ़ोतरी

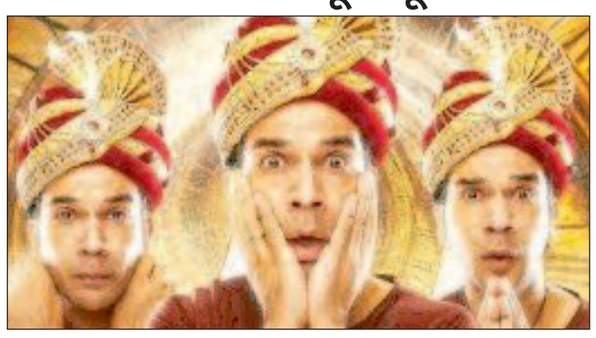

राजकुमार राव की फिल्म भूल चूक माफ को सिनेमाघरों में रिलीज हुए 10 दिन पूरे हो गए हैं और यह पहले दिन से ही बॉक्स ऑफिस पर बढ़िया प्रदर्शन कर रही है। दूसरे सप्ताह में भी फिल्म को देखने के लिए सिनेमाघरों में दर्शकों की भीड़ उमड़ रही है, जिसका असर इसके कारोबार में साफ दिख रहा है।

वीकेंड पर फिल्म की कमाई में बढ़ोतरी देखने को मिली। आइए जानें भूल चूक माफ ने 10वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, भूल चूक माफ ने अपनी रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को 6.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। फिल्म को वीकेंड का पूरा फायदा मिला। इसी के साथ अब भारत में इस फिल्म की कुल कमाई 58.95 करोड़ रुपये हो गई है। इस फिल्म का बजट 50 करोड़ रुपये है और यह अपने बजट से ज्यादा का कारोबार कर चुकी है और अब यह मुनाफा कमाने की ओर बढ़ रही है।

भूल चूक माफ में राजकुमार की जोड़ी पहली बार वामिका गब्बी के साथ बनी है और दोनों की केमिस्ट्री ने दर्शकों का दिल जीत लिया है।

एथलीट्स के संघर्ष पर आधारित पैन–इंडिया फिल्म अंगीकारम का दमदार फर्स्ट लुक रिलीज

स्वास्तिक विज़न्स के बैनर तले बन रही पैन–इंडिया फिल्म अंगीकारम का पहला पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें एक एथलीट के किरदार में नजर आ रहे हैं केजेआर, जो इस फिल्म से अपना एक्टिंग डेब्यू कर रहे हैं. पोस्टर में वह एथलीट 05 टीशर्ट में बैक साइड पोज देते हुए बेहद दमदार अंदाज में दिखाई दे रहे हैं, जबकि बैकग्राउंड में कोर्ट और बैटल का माहौल दिखाया गया है, जो फिल्म के थीम की झलक देता है. अंगीकारम का निर्देशन कर रहे हैं जे.पी. तेनपथियन, जो फिल्ममेकर पा रंजीत के असिस्टेंट रह चुके हैं. फिल्म की कहानी असली घटनाओं से प्रेरित है और भारतीय एथलीट्स की जिंदगी, उनके संघर्ष और स्पोर्ट्स के भीतर की राजनीति को उजागर करती है.

आरसीबी की खिताबी जीत के बाद फूट–फूटकर रोए विराट कोहली

अहमदाबादरॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली का 18 साल का इंतजार आखिरकार मंगलवार को खत्म हो गया. जब अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में आरसीबी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के फाइनल मुकाबले में पंजाब किंग्स को 6 रनों से हराकर अपना मेडन खिताब जीता.आईपीएल 2025 फाइनल में जब यह स्पष्ट हो गया कि आरसीबी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी जीतेगी, तो आरसीबी की रीढ़ स्टार बल्लेबाज विराट कोहली रो पड़े. कोहली के फूट–फूटकर रोने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. खिताबी जीत के बाद उन्होंने अपने पूर्व साथी और दक्षिण अफ्रीकी दिग्गज एबी डिविलियर्स को गले लगाया, जो आरसीबी द्वारा पंजाब किंग्स के खिलाफ 6 रन से फाइनल जीतने के बाद मैदान में आए थे. आधिकारिक प्रसारकों से बात करते हुए, विराट की भावनाएं, जिनकी वाइफ, अभिनेत्री अनुष्का शर्मा, स्टैंड से उन्हें चियर्स कर रही थीं, स्पष्ट थीं. कोहली ने कहा, मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह दिन आएगा. यह एक अद्भुत एहसास है. मेरे पास ऐसे क्षण हैं जब मैंने इसके विपरीत सोचा. मेरा दिल बैंगलोर के साथ है.

आरसीबी के लिए बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाले कोहली ने कहा, यह जीत प्रशंसकों के लिए है! मैंने इस टीम को अपनी युवावस्था, अपना सर्वश्रेष्ठ और अपना अनुभव दिया है. यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है. इसके लिए अपना सबकुछ देने के बाद, आखिरकार आईपीएल जीतना... यह एक शानदार एहसास है. इस मैच में विराट कोहली, रजत पाटीदार की अगुवाई वाली टीम के लिए शीर्ष स्कोरर थे, क्योंकि उन्होंने 43 रन बनाए, जिससे आरसीबी को 190 रन बनाने और उसे बचाने में मदद मिली.

बता दें कि, कोहली ने अपने युवा दिनों के दौरान, अपने सर्वश्रेष्ठ समय में, और अब सबसे वरिष्ठ खिलाड़ी होने के नाते, आरसीबी के लिए सब कुछ किया.

एक नजर

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में भरा उत्साह

श्रीनगर गढ़वाल : विधानसभा अध्यक्ष ऋतु भूषण खंडूरी ने बुधवार को गढ़वाल मंडल विकास निगम, श्रीनगर में कार्यकर्ताओं के साथ पर्यावरण दिवस मनाये जाने को लेकर बैठक ली। ऋतु खंडूरी ने कहा कि प्लास्टिक से पर्यावरण को होने वाले नुकसान से बचाने के लिए हर साल 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। पर्यावरण को प्लास्टिक मुक्त करने के लिये हमें खुद सुधरने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ आगामी 2027 विधानसभा चुनाव तैयारियों पर प्रत्येक व्यक्ति और कार्यकर्ता को आवश्यक बताया। खंडूरी ने कहा कि हर व्यक्ति तक बिजली, पानी, सड़क की सुविधा पहुंचाना सरकार का काम दिखाता है। श्रीनगर मंडल अध्यक्ष विनय घिल्डियाल ने बताया विधानसभा अध्यक्ष ने एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में उत्साह भरा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल किशोर रावत, वासुदेव कंडारी, रेखा रावत, डॉ. सुधीर जोशी आदि मौजूद रहे। (एजेंसी)

राजस्व उपनिरीक्षकों की हड़ताल, मायूस होकर लौटे लोग

जयन्त प्रतिनिधि। सतपुली : तहसील सतपुली में बुधवार को राजस्व उपनिरीक्षकों की प्रदेश व्यापी हड़ताल दूसरे दिन भी जारी रही। हड़ताल से भूमि बंदोबस्त, मूल निवास, स्थाई निवास समेत कई प्रमाण पत्रों पर उपनिरीक्षक की स्वीकृति व जांच नहीं हो पा रही है। हड़ताल से ग्रामीणों को तहसील से बिना काम करवाए ही मायूस होकर लौटना पड़ रहा है।राजस्व क्षेत्रों के शत प्रतिशत पुलिस कार्यों को दैनिक पुलिस को सौंपने और खतौनियों में अंश निर्धारण कार्यों को लेकर राजस्व उपनिरीक्षक बीते मंगलवार से दो दिवसीय कार्य बहिष्कार पर है। बुधवार को भी राजस्व उपनिरीक्षकों ने हड़ताल जारी रखी। इस दौरान स्थानीय समेत दूर दराज ग्रामीण इलाकों से तहसील पहुंचे लोगों को अपने जरूरी दस्तावेज बनवाने के लिए परेशानी उठानी पड़ी। हड़ताल में कानूनगो अशोक कुमार जोशी, सरस्वती चौहान, अमित नेगी, आशीष कुमार आर्य, वेद प्रकाश सिंह पटवाल, भुवनेश धस्माना, विपिन रावत, दीपिका रहे।

धोखाधड़ी के मामलों को जल्द निपटाएं : एसएसपी

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह ने धोखाधड़ी से संबंधित लंबित मामलों की समीक्षा को लेकर जिले के सभी क्षेत्राधिकारियों की ऑनलाइन समीक्षा बैठक ली। एसएसपी ने धोखाधड़ी के मामलों में लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश भी दिए। कहा कि लापरवाही बरतने वाले अफसरों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में धोखाधड़ी, ठगी के मामलों को जल्द निपटाने के निर्देश दिए। एसएसपी ने धोखाधड़ी के मामलों में आरोपियों की चल और अचल संपति की जांच करते हुए उनको अटैच करने के निर्देश दिए। एसएसपी कार्यालय में आयोजित बैठक में एसएसपी ने सभी सीओ को धोखाधड़ी के मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बतरने के निर्देश दिए। कहा कि धोखाधड़ी से संबंधित अभियोगों में साक्ष्य संकलन करने व आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दूसरे प्रदेश में जाने वाले विवेचक सीआईयू व साइबर सैल के साथ समन्वय करें। एसएसपी ने धोखाधड़ी के सभी मामलों को अनावश्यक रूप से लंबित ना रखने के निर्देश दिए। कहा कि जिन मामलों में गिरफ्तारियां होनी है उनमें आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की

तुंगनाथ घाटी एसोसिएशन के अध्यक्ष बनें कुंवर बजवाल

रुद्रप्रयाग : तुंगनाथ घाटी के विभिन्न गांवों की आम बैठक में तुंगनाथ घाटी एसोसिएशन का गठन किया गया जिसमें कुंवर सिंह बजवाल को सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुना गया। निर्णय लिया गया कि संगठन गांवों के हक-हकूकों के साथ ही स्थानीय लोगों की समस्याओं पर कार्य करेगा। मस्तूरा में उषाडा, सारी, करोखी, हुडू, दैडा, बंरगाली, कांडा, दिलमी, कर्णधार सहित कई गांवों के ग्रामीणों की एक संयुक्त बैठक हुई। जिसमें सर्वसम्मति से तुंगनाथ घाटी एसोसिएशन का गठन करते हुए अध्यक्ष कुंवर सिंह बजवाल, सचिव नंदन सिंह रावत, उपाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह एवं जयदीप सिंह, मंत्री जसपाल सिंह, मुकेश सिंह, राजेन्द्र सिंह, भरत सिंह, सह सचिव अनिल कुमार, कोषाध्यक्ष योगेन्द्र सिंह, संरक्षक प्रदीप सिंह व भरत सिंह को चुना गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष कुंवर सिंह ने कहा कि क्षेत्र में स्थानीय लोगों की समस्याओं को लेकर एकजुटता से कार्य किया जाएगा। उन्होंने विभिन्न गांवों से पहुंचे लोगों को आभार भी जताया।

गर्मी का प्रकोप अस्पताल में बढ़े उल्टी व दस्त के मरीज

कोटद्वार बेस अस्पताल जहां इन दिनों मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है।

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसका असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी पड़ने लगा है। पिछले तीन दिन से अस्पताल में उल्टी-दस्त के मरीजों में बढ़ोत्तरी देखने को मिली है। वहीं, सर्दी-जुकाम व बुखार के मरीजों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। चिकित्सक मरीजों को उनके स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दे रहे हैं।

राजकीय बेस चिकित्सालय में लगातार बढ़ रही मरीजों की संख्या

लगातार बढ़ रहा गर्मी का पारा आमजन के लिए मुसीबत बनता जा रहा है। अस्पताल में प्रतिदिन तीन से चार सौ मरीज उल्टी-दस्त के पहुंच रहे हैं। सुबह से ही ओपीडी की पर्ची बनवाने के लिए मरीज व उनके तीमारदारों की भीड़ दिखाई दे रही है। चिकित्सकों ने बताया कि मौसम में बदलाव व गर्मी के कारण शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम हो जाती है। जिससे बीमार होने का अधिक खतरा रहता है। ऐसे में मौसम में बच्चों व बजुर्गों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। साथ ही खानपान पर भी ध्यान दें।

बच्चे भी हो रहे बीमार

भीषण गर्मी का प्रकोप बच्चों पर भी भारी पड़ रहा है। राजकीय बेस चिकित्सालय में अभिभावक अपने बच्चे को उपचार के लिए लेकर पहुंच रहे हैं। अधिकांश बच्चों में उल्टी, दस्त के साथ ही पेट दर्द की समस्या सामने आ रही है। चिकित्सकों की माने तो ऐसे मौसम में बच्चों को फास्ट फूड व बाहर के खाने से परहेज करना चाहिए। साथ ही बच्चों को धूप में जाने से भी बचना चाहिए।

इस तरह करें बचाव

1. बाहर धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं
2. ताजा खाना खाएं व बासी खाने से परहेज करें
3. धूप में सिर को कपड़े से ढक कर ही बाहर निकलें
4. फास्ट फूड खाने से परहेज करें
5. अधिक से अधिक पानी पीएं

युवक पर चाकू से किया हमला, मुकदमा दर्ज

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत मोहल्ला लकड़ीपड़ाव में दो युवकों ने एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार पहुंचाया गया। वहीं, मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास के तहत मुकदमा भी दर्ज कर लिया है। घटना देर शाम की है। लकड़ीपड़ाव निवासी अनीस की ओर से पुलिस को दी गई तहरीर में कहा गया है कि बीती शाम उनका पुत्र आरिफ प्राथमिक विद्यालय नंबर तीन की ओर जा रहा था। लेकिन, रास्ते में मुसरलीन व उसके साथी अनु ने आरिफ पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। आरिफ ने चाकू से बचने का प्रयास किया, जिससे उसका हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया है। बेहोशी की हालत में उसे बेस चिकित्सालय में लाया गया, जहां से उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। कोतवाली प्रभारी रमेश तनवार ने बताया कि दी गई तहरीर के आधार पर मुसरलीन व अनु के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया गया है।

परीक्षा फल न्यून रहने के लिए केवल शिक्षक व प्रधानाचार्य ही दोषी नहीं

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बोर्ड परीक्षा में परीक्षाफल न्यून रहने वाले विद्यालयों के प्रधानाचार्य व शिक्षकों पर कार्रवाई का राजकीय शिक्षक संघ ने विरोध किया है। कहा कि प्रधानाचार्य एवं शिक्षकों की गोपनीय आख्या (सीआर) में दर्ज करना ठीक नहीं है। परीक्षा फल न्यून रहने के लिए केवल प्रधानाचार्यों व शिक्षकों को दोषी ठहराया जाना उचित नहीं है। इसके लिए शासन व विभाग को जिम्मेदारी लेनी होगी।

राजकीय शिक्षक संघ के पूर्व जिलामंत्री मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि विभागीय निर्देशों का पालन करते हुए शिक्षक अपने शिक्षण कार्य के साथ गैर शैक्षणिक कार्य विभागीय सूचनाओं व अन्य दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं, जिसके कारण शिक्षण कार्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। प्रदेश में लगभग 90 प्रतिशत विद्यालय प्रधानाचार्य विहीन है। कई विद्यालयों में महत्वपूर्ण विषयों के शिक्षकों के पद रिक्त हैं। विद्यालय के वरिष्ठतम शिक्षक प्रभारी प्रधानाचार्य के साथ-साथ अपने विषय का शिक्षण कार्य, लिपिक एवं अन्य कार्य दायित्वों का निर्वहन कर रहे है, जिससे परीक्षा फल न्यून रहने का मुख्य कारण है। कहा कि यदि राजकीय विद्यालय में सरकार सुधार लाना चाहती है तो जल्द से जल्द प्रधानाचार्य व प्रवक्ता पदों पर पदोन्नति से शिक्षकों की नियुक्ति की जानी चाहिए। जिससे व्यवस्थाओं में सुधार हो सके।

ऋषिकेश की तर्ज पर कीर्तिनगर में बनेगा आस्था पथ, निर्माण कार्य शुरू

श्रीनगर गढ़वाल : ऋषिकेश की तर्ज पर चौरास से कीर्तिनगर तक नदी किनारे बनने वाले आस्था पथ का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। पांच करोड़ की लागत से चौरास पुल से किलकिलेश्वर महादेव मंदिर का प्रथम फेस का निर्माण कार्य किया जाना है। चौरास पुल से आस्था पथ को लेकर फाउंडेशन खुदने का कार्य शुरू हो गया है। बीते 10 अप्रैल को देवप्रयाग विधायक विनोद कंडारी ने आस्था पथ के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया गया था, जिसके बाद मई माह में इसका निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया। बताते चलें की वर्ष 2021 में पहली बार कीर्तिनगर पहुंचे मुख्यमंत्री ने कीर्तिनगर और देवप्रयाग में आस्था पथ बनाने की घोषणा की थी। लम्बे समय से चौरास क्षेत्र की जनता योजना को धरातल में उतरते देखने को तैयार थी। अब चौरास से कीर्तिनगर तक आस्था पथ का निर्माण होने से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय युवाओं को रोजगार भी मिलेगा। सैलानी यहां पहुंचकर मां अलकनंदा नदी का दीदार करेंगे। सिंचाई खंड कीर्तिनगर के सहायक अभियंता मंगल सिंह ने बताया कि आस्था पथ का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसको लेकर फाउंडेशन खुदना शुरू हो गयी है। आस्था पथ की लम्बाई 915 मीटर और 6 मीटर चौड़ा होगा। बताया कि परियोजना के अंतर्गत किलकिलेश्वर में एक घाट का निर्माण भी किया जायेगा। चौरास से कीर्तिनगर तक लगभग 13 करोड़ 54 लाख की लागत से आस्था पथ का निर्माण कार्य होगा। (एजेंसी)

चाई ग्रामोत्सव में रही थड़िया व चौंफला गीतों की धूम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : चाई ग्रामोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को ग्राम विकास गोष्ठी और गढ़वाली लोक गीत-नृत्य विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान नई पीढ़ी को गांव से जोड़ने के उपायों पर चर्चा की गई और गांवों के सुनियोजित विकास पर जोर दिया गया। सांय काल समारोह में संस्कृति विभाग उत्तराखंड की टीम ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। जिस पर दर्शक देर रात तक थिरकते रहे।

विकासखंड जयहरीखाल के ग्राम चाई में ग्रामोत्सव के दूसरे दिन बुधवार को आयोजित ग्राम विकास गोष्ठी का मुख्य अतिथि समाजसेवी प्रकाश चंद्र कोठारी एवं विशिष्ट अतिथि रंगकर्मी डॉ. सतीश कालेश्वरी ने दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कोठारी ने कहा कि गांव चाई आज अपनी अनूठी पहल की वजह से पूरे राज्य व देश के लिए रोल मॉडल बन गया है। कहा कि गांव के विकास का खाका गांव में बैठ कर ही तैयार किया जाना चाहिए और इसमें स्थानीय ग्रामीणों की प्रभावी भूमिका होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि गांव स्वरोजगार व स्वावलंबन के बड़े केंद्र हो सकते हैं। नीति नियंताओं को इस दिशा में गहराई से सोचना चाहिए। विशिष्ट अतिथि संस्कृतिकर्मी डा. सतीश कालेश्वरी ने कहा कि पहाड़ की भू-संपदा को बचाना बहुत जरुरी है। कहा कि जब हम भू-संसाधनों को खरीद-फरोख्त से बचाएंगे तभी पहाड़ बचेगा। उन्होंने लोक भाषा गढ़वाली को बचाने की जरूरत भी जताई। रुद्रप्रयाग नगर पालिका के अध्यक्ष संतोष रावत ने कहा कि पहाड़ की संस्कृति व समाज हर दृष्टि से विशिष्ट है। जिससे बाहर के लोग भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामोत्सव के माध्यम से संस्कृति संरक्षण का यह प्रयोग अनूठा है और यह हम सबके लिए प्रेरक है। उन्होंने कहा कि ग्राम चाई आज अपनी रचनात्मक सोच व कार्य के बूते पूरे राज्य में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। इस अवसर पर सुशील बुडाकोटी, ललन बुडाकोटी, सचिदानंद बुडाकोटी, अशोक बुडाकोटी, संगीत बुडाकोटी आदि ने भी विचार व्यक्त किए। गोष्ठी की अध्यक्षता नवीन बुडाकोटी व संचालन डा. पदमेश बुडाकोटी ने किया। समारोह के द्वितीय सत्र में गढवाली लोक गीत एवं नृत्यों पर लोकगायक धर्मेंद्र रावत के निर्देशन में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें बच्चों व महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। चाई ग्रामोत्सव की आज संपन्न दूसरी सांस्कृतिक संध्या आशु कला समिति के नाम रही। संस्कृति विभाग के तत्वावधान में इस ग्रुप के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत थड़िया, चौंफला, बाजूबंद, खुदेड़, घसियारी आदि लोक गीतों पर दर्शक देर रात तक थिरकते रहे। सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन टीम प्रभारी सुमित्रा रावत ने किया।

आमसौड़ के ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाएं अधिकारी

जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने किया आपदा प्रभावित आमसौड़ गांव का निरीक्षण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने दुगड्डा क्षेत्र के अंतर्गत आमसौड़ गांव का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को वर्षाकाल से पूर्व आमसौड़ के ग्रामीणों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के निर्देश दिए।

मालूम हो कि गत वर्ष बरसात के दौरान आमसौड़ गांव में हुए भूस्खलन के चलते कई घरों को क्षति पहुंची थी। हालांकि, जिला प्रशासन की तत्परता से ग्रामीणों को समय रहते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया था। मंगलवार शाम जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान ने स्थल का निरीक्षण करते हुये अधिकारियों को मानसून सीजन से पहले भूस्खलन की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भूस्खलन से बचाव के लिए सुरक्षा दीवार निर्माण करने को भी कहा। उन्होंने निर्देश दिये कि तेजी से बहने वाले पानी के बहाव को चैनलाइज किया जाए। साथ ही बाढ़ के खतरे की जद में आ रहे घरों को चिह्नित करके उनमें रहने वाले लोगों के विस्थापन की व्यवस्था की जाए। जिलाधिकारी ने तहसीलदार को प्रभावित हो रहे लोगों को तंबू देने, उन्हें सुरक्षित स्थलों पर ले जाने हेतु भविष्य की कार्य योजना बनाने व अतिरिक्त चेकडैम बनाने के भी निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने जिलाधिकारी के समक्ष पेयजल संकट की समस्या भी रखी। इस पर जिलाधिकारी ने पेयजल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीघ्र आवश्यक कार्रवाई कर ग्रामीणों को पेयजल की सुविधा उपलब्ध करवाया जाए। साथ ही उन्होंने ग्राम पंचायत विकास अधिकारी को जल जीवन मिशन के तहत ग्राम पंचायत से समन्वय बनाने को भी कहा। निरीक्षण के दौरान पेयजल निगम कोटद्वार इकाई के अधिशासी अभियंता आशीष मिश्रा, तहसीलदार साक्षी उपाध्याय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

प्रखंड दुगड्डा के अंतर्गत आमसौड़ में भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण करते जिलाधिकारी डा. आशीष चौहान।

देव वाणी संस्कृत सभी भाषाओं की जननी : डॉ. घिल्डियाल

श्रीनगर गढ़वाल : अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज खिर्सू के सभागार में ग्रीष्मकालीन भारतीय भाषा कैंप आयोजित किया गया। बतौर मुख्य अतिथि संस्कृत शिक्षा के सहायक निदेशक डॉ. चंडी प्रसाद घिल्डियाल ने कहा कि देव वाणी संस्कृत सभी भाषाओं की जननी है। कहना था कि यह उसका गौरव है कि विश्व की 300 भाषाओं में से संस्कृत को ही कंप्यूटर के लिए सर्वोत्तम भाषा माना जा रहा है। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुबोध नेगी ने कहा कि डॉक्टर घिल्डियाल खिर्सू विकासखंड के ही मूल निवासी हैं। इसी विकासखंड से हाईस्कूल तक की पढ़ाई करने वाले कुशल प्रशासक के साथ-साथ अत्यंत विनम्र एवं सरल स्वभाव के विद्वान अधिकारी हैं। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा स्वागत गान, संस्कृत संभाषण एवं विभिन्न भाषाओं की प्रदर्शनी का भी प्रदर्शन किया गया। संचालन विद्यालय के राजनीति शास्त्र के प्रवक्ता अनूप सिंह नेगी ने किया। डॉ. आरती घिल्डियाल, अर्थशास्त्र की प्रवक्ता ज्योति भट्ट, समर्थ, अस्मिता, हरीश सती, शैलेंद्र सिंह, विकास नेगी आदि मौजूद थे। (एजेंसी)

गुलदार को पकड़ने के लिए तीन पिंजरे और दस ट्रैपिंग कैमरे लगाएं

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : दमदेवल रेंज और एकेश्वर ब्लाक में गुलदार के हमले के बाद वन विभाग ने यहां गुलदार को पकड़ने के लिए तीन पिंजरे लगाने के साथ ही दस ट्रैपिंग कैमरे भी लगा दिए हैं। गुलदार के क्षेत्र में सक्रिय होने पर वन विभाग की दो टीमों ने प्रभावित क्षेत्र में डेरा डाला हुआ है। गुलदार की दहशत की वजह से ग्रामीण शाम होते ही घरों में दुबक जा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से गुलदार को अविलंब पकड़ने की मांग करने के साथ ही गुलदार को नरभक्षी घोषित करने की भी गुहार वन विभाग के अफसरों से लगाई है। बता दें कि बीती सोमवार रात को बाजार से घर जाते समय एक ग्रामीण को गुलदार ने मार डाला था। गुलदार के हमले के बाद स्थानीय ग्रामीणों में गुलदार की दहशत बनी हुई है। गढ़वाल वन प्रभाग के डीएफओ स्वप्निल अनिरुद्ध ने बताया है कि एकेश्वर ब्लाक के प्रभावित क्षेत्र में गुलदार को पकड़ने के लिए तीन पिंजरे लगा दिए गए हैं। साथ ही दस कैमरों से भी गुलदार की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। गुलदार को ट्रैक्यूलाइज करने के लिए भी मौके पर टीम भेजी गई है। घटना के बाद मंगलवार की देर शाम को प्रभावित क्षेत्र में गुलदार देखा गया है, हालांकि काफी शोरशराबा होने की वजह से गुलदार यहां लगाएं गए पिंजरों की ओर नहीं आया। गुलदार पर नजर रखने के लिए वन क्षेत्राधिकारी की अगुवाई वाली विभाग की दो टीमें क्षेत्र में चौबीसों घंटे गश्त कर रही हैं। आसपास के सभी इलाकों में ग्रामीणों को अकेले जंगल की ओर नहीं जाने और देर शाम को तक खेतों में काम करने को लेकर सावधानी बरतने के लिए भी कहा गया है।

कोरोना महामारी से निपटने के लिए अस्पताल प्रशासन की तैयारियां पूरी

श्रीनगर गढ़वाल : देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए राजकीय संयुक्त उपजिला अस्पताल प्रशासन अलर्ट मोड पर आ गया है। अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डा. विमल गुसाईं की देखरेख में संभावित कोविड रोगियों के लिए 10 बैड का एक विशेष वार्ड भी बनाया गया है। उपजिला अस्पताल में कोरोना की जांच को लेकर रैपिड टेस्ट की व्यवस्था की गई है। डा. विमल गुसाईं ने बताया कि रैपिड टेस्ट में यदि कोई पॉजिटिव आएगा तो उसका सैंपल आरटीपीसीआर टेस्ट के लिए मेडिकल कालेज की लैब में भेजा जाएगा। वायरस पर लगाम लगाने को संदिग्ध मरीज को होम आइसोलेशन में रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अभी कोरोना को लेकर घबराने की कोई जरूरत नहीं है, लेकिन सजग रहना भी जरूरी है। देश के अन्य राज्यों से आने वाले लोगों की संख्या बढ़ते देख ऐतिहातन उपाय किए जा रहे हैं। सीएमएस डा. विमल गुसाईं ने कहा कि संयुक्त उपजिला अस्पताल में सर्दी, जुकाम, खांसी वाले रोगी भी ओपीडी में आ रहे हैं। ऐसे रोगियों के इलाज के लिए अस्पताल प्रशासन की ओर से फ्लू क्लीनिक शुरू करवाया गया है। वहीं बेस अस्पताल श्रीकोट के चिकित्सा अधीक्षक डा. अजेय विक्रम सिंह ने बताया कि कोरोना को लेकर चिकित्सालय प्रशासन अलर्ट मोड पर है। कोरोना महामारी से निपटने के लिए चिकित्सालय प्रशासन की तैयारियां पूरी है। (एजेंसी)

कार्तिक स्वामी में महायज्ञ की तैयारियों में जुटी समिति

रुद्रप्रयाग : कार्तिकेय मंदिर समिति के सहयोग से 5 जून को कार्तिक स्वामी मंदिर में 11 दिवसीय महायज्ञ एवं पुराण वाचन कार्यक्रम होगा। आयोजन को लेकर इन दिनों मंदिर समिति तैयारियों में जुटी है। क्रौंच पर्वत पर स्थित कार्तिक स्वामी मंदिर उत्तर भारत का एकमात्र मंदिर है। यह रुद्रप्रयाग एवं चमोली जनपद के 360 गांवों के आराध्या देव है। प्रतिवर्ष समय-समय पर यहां पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में भक्त भगवान के दर्शन कर पुण्य अर्जित करते हैं। हर साल की तरह इस वर्ष भी आगामी 5 जून को कार्तिक स्वामी मंदिर में 11 दिवसीय महायज्ञ एवं पुराण वाचन का किया जाएगा। 14 जून को भव्य जल कलश यात्रा एवं 15 जून को पूर्णाहुति के साथ महायज्ञ का समापन होगा। मंदिर समिति महायज्ञ को लेकर तैयारियों में जुट गई है। बीती 28 मई से कार्तिक स्वामी की चल मूर्ति यात्रा बद्रीनाथ भ्रमण के लिए रवाना हुई थी। जिसके बाद यात्रा ने पोखरी, गंजेड, गोपेश्वर, अनुसूया माता, नरसिंग मंदिर जोशीमठ के बाद बद्रीनाथ धाम के दर्शन किए थे।

दूसरे दिन भी जारी रहा कार्य बहिष्कार, दिया धरना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : दो सूत्रीय मांगों को लेकर पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, उपनिरीक्षक व राजस्व सेवक संघ का कार्य बहिष्कार बुधवार को भी जारी रहा। संघ ने सरकार से जल्द उनकी समस्या के निराकरण की मांग उठाई।

राजस्व सेवक संघ के अध्यक्ष पुष्कर सिंह चौहान के नेतृत्व में समस्त राजस्व कर्मी तहसील परिसर में एकत्रित हुए, जहां पर वे धरने पर बैठ गए। पुष्कर सिंह चौहान ने कहा कि बगैर संसाधन के वर्तमान में राजस्व कर्मियों से खतौनियों के अंशदान जैसा जटिल कार्य करवाया जा रहा है। कहा कि जटिल कार्य के लिए लैपटाप, डाटा पैक व मानदेय उपलब्ध करवाया जाना चाहिए। कहा कि बगैर संसाधनों के कार्य करना बहुत ही कठिन हो रहा है। इसके अलावा पर्वतीय क्षेत्रों में राजस्व कर्मियों पर पुलिसिंग व राजस्व कार्यों को दोहरा भार डाला जा रहा है। इस मौके पर सोहन परमार, विजय मोहन, सुभाषिनी, आंनदी, अनिल कुमार, रविंद्र सिंह, विपिन नेगी, हर्षवर्धन नौटियाल, दीपक सिंह, अमित सिंह मौजूद रहे। उधर प्रखंड बीरोंखाल तहसील में भी राजस्व कर्मियों का बुधवार को दूसरे दिन भी कार्य बहिष्कार जारी रहा। राजस्व कर्मचारी संघ के सचिव दुर्गेश प्रसाद ने कहा कि उच्च न्यायालय ने प्रदेश सरकार को मई माह में राजस्व पुलिस का संपूर्ण कार्य नियमित रूप से पुलिस को सौंपे जाने के निर्देश दिए है, लेकिन अभी तक इस संबध में शासन स्तर पर उचित निर्णय नहीं लिया गया है।

कोटद्वार तहसील में धरना प्रदर्शन करते राजस्व कर्मी

पौड़ी विधायक ने किया सड़क का लोकार्पण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : विधानसभा पौड़ी के अंतर्गत विकासखंड कल्जीखाल के ग्राम सुराल गांव के लिए जिला योजना से निर्मित सड़क का लोकार्पण क्षेत्रीय विधायक पौड़ी राजकुमार पोरी ने किया। सड़क सुविधा को लेकर लंबे समय से स्थानीय ग्रामीण मांग कर रहे थे। करीब 6 लाख की लागत वाली इस सड़क को विधायक ने लोगों को समर्पित करते हुए कहा कि उनका हर गांव को सड़क सुविधा से जोड़ने का है।

विकासखंड कल्जीखाल की मनियारस्यूं पट्टी के ग्राम सुराल गांव के लिए शहीद मनीष पटवाल शौर्य चक्र विजेता की पुण्य तिथि 26 अक्टूबर को विधायक राजकुमार पोरी ने सड़क बनाने की घोषणा की थी। बुधवार को शहीद की पुण्य स्मृति में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत पुराण यज्ञ कथा के चौथे दिन विधायक ने सड़क का लोकार्पण कर ग्रामीणों को समर्पित कर दिया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि विधानसभा के हर गांव तक सड़क सुविधा हो इसके लिए वह प्रयास कर रहे है। विधायक ने कहा कि लंबे समय से इस सड़क की भी मांग स्थानीय ग्रामीण कर रहे थे। अब सड़क को बन गई है। इसका लाभ यहां के लोगों को मिलेगा। इस मौके पर ब्लॉक प्रमुख संगठन प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र राणा ने कहा कि इस सड़क के बनने से शहीद मनीष पटवाल का गांव सुरालगांव भी जुड़ गया है।

सड़क बनने से क्षेत्र के लोगों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मनोज नैथानी, जगमोहन डांगी, पूर्व सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश जुगरान, कथा वाचक आचार्य मनोज थपलियाल, शहीद मनीष पटवाल के पिताजी जगमोहन पटवाल, रवि थपलियाल, समाजिक कार्यकर्ता अशोक रावत, आरपी नैथानी सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

बेस अस्पताल में कार्डियो ओपीडी शुरू, पहले दिन 35 मरीजों ने कराई जांच

श्रीनगर गढ़वाल : राजकीय मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध बेस चिकित्सालय, श्रीनगर में अब हर माह दो दिन कार्डियो की ओपीडी मरीजों की सुविधा के लिए शुरु हो गयी है। बुधवार को कार्डियो ओपीडी में पहले दिन दूर-दराज से पहुंचे 35 मरीजों का कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. संदीप मालविया ने चेकअप किया। मरीजों को परामर्श कर दवा दी गई, जबकि 20 से अधिक मरीजों का कार्डियो इको तथा 30 मरीजों की ईसीजी की गई। कार्डियोलॉजिस्ट ओपीडी शुरु करने से मरीजों को राहत मिली है। डॉ. मालविया का कहना था कि माह में दो दिन ओपीडी लगे तो उन्हें चेकअप व परामर्श के लिए देहरादून या फिर ऋषिकेश नहीं जाना पड़ेगा। बताया कि स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की पहल पर कार्डियो ओपीडी की शुरुआत की गई है, ताकि गढ़वाल के कई जिलों के लोगों के साथ ही चारधाम यात्रा पर आने वाले तीर्थ यात्रियों को किसी भी प्रकार की दिक्कतें ना हो। डॉ. मालविया ने बताया कि सरकार द्वारा बेस चिकित्सालय में क्षेत्र के लोगों को कार्डियो की ओपीडी लगाकर सुविधाएं देने का काम किया है। कहा कि अब 18 जून को दूसरी ओपीडी मरीजों के लिए लगाई जायेगी। ओपीडी में डॉ. मालविया के साथ डॉ. निखिल, अमृता, प्रीति आदि ने सहयोग दिया। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतीश कुमार एवं मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. केएस बुटोला मौजूद रहे। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

लोक कलाकारों को मिलेगा दुर्घटना बीमा

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेश में लोक संस्कृति के सम्वर्धन से जुड़े सांस्कृतिक दलों के लोक कलाकारों के व्यापक हित में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हेतु मार्ग दुर्घटना की स्थिति में लोक कलाकारों का दुर्घटना बीमा (इंश्योरेंस) किये जाने की घोषणा करते हुए निर्देश दिये हैं कि संस्कृति विभाग के सांस्कृतिक दलों का कार्यक्रम आवंटन एवं भुगतान संस्कृति निदेशालय से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक संस्कृति को बढ़ावा देने वाले हमारे संस्कृति कर्मी हमारी परंम्परागत लोक संस्कृति, लोक संगीत एवं लोक कला को पहचान दिलाने का कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार सांस्कृतिक दलों से जुडे कलाकारों के हित में निरंतर कार्य कर रही है।

बस्तियों में कार्रवाई का विरोध जारी

देहरादून। विपक्षी दलों और जन संगठनों ने नगर आयुक्त को पत्र सौंपकर बस्तियों में कार्रवाई को लेकर स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। इसके माध्यम से मांग की गई है कि केवल बिजली और पानी का बिल को न देख कर लोगों के सारे साक्ष्य देखे जाएं और और पूरी प्रक्रिया में कोशिश की जाए कि लोग बेघर न हों। अगर किसी को हटाने की नौबत आती भी है तो प्रशासन बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों के आश्रय के लिए तत्काल व्यवस्था बनाए। साथ ही मुआवजे और पुनर्वास की व्यवस्था बनाएं। पत्र लिखने वालों में सीपीआई राष्ट्रीय काउंसिल के सदस्य समर भंडारी, राष्ट्रीय सचिव समाजवादी पार्टी डॉ एसएन सचान, उत्तराखंड सवीदय मंडल से हरबीर सिंह कुशवाहा, चेतना आंदोलन से शंकर गोपाल आदि शामिल हैं।

छावनी परिषद से प्रेमनगर में पार्किंग, शौचालय बनाने की मांग

देहरादून। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र सिंह पुंडीर ने बुधवार को छावनी परिषद कार्यालय में मुख्य अधिशासी अधिकारी हरेंद्र सिंह से भेंट कर प्रेम नगर क्षेत्र में पूर्व में किए गए कार्यों के लिए आभार जताया। साथ ही प्रेमनगर को अधिक स्वच्छ, सुंदर, सुविधाजनक बनाने के लिए पार्किंग, शौचालय निर्माण, नालों की सफाई को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया। जोगेन्द्र पुंडीर ने बताया कि प्रेम नगर बाजार में शौचालय और पार्किंग की कमी काफी खलती है। अटल ग्रीड़ा स्थल बैडमिंटन हॉल में बिजली व्यवस्था की जानी चाहिए। विंग नम्बर 7 एवं स्पेशल विंग में स्थित खंडहर शौचालय को तोड़कर पार्क निर्माण, स्पेशल विंग के पुराने ओवर हेड टैंक को तोड़कर नया ओवर हेड टैंक बनाने, बरसात से पूर्व नालों, पुलियाओं की सफाई, झाड़ियों की कटाई पूरी कर ली जाए। रोजगार में स्थानीय व्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाए। प्रेमनगर में शौर्य स्थल के निर्माण की भी मांग की गई। मौके पर कैंट बोर्ड नामित सदस्य विनोद पंवार, सूरज भाटिया, विकास शर्मा, उदय दत्ता, हीरा सिंह गुसाईं, देवेन्द्र दूबे, राजेश सेन, अमित चौधरी, मोहित पंवार उपस्थित रहे।

शहर में बन रही ऑटोमेटेड पार्किंग पर छत लगाने की अनुमति

देहरादून। शहर में बन रही ऑटोमेटेड पार्किंगों का काम अंतिम चरण में है। डीएम सविन बसंल ने पार्किंग के ऊपर छत लगाने की मंजूरी भी दी है। इससे बरसात में गाड़ियां पर पानी नहीं गिरेगा। शहर में पार्किंग की समस्या बढ़ती जा रही है। समस्या के समाधान के लिए तिब्बती मार्केट के सामने, परेड ग्राउंड और कोरोनेशन अस्पताल परिसर में ऑटोमेटेड पार्किंग बनाने का काम चल रहा है। काम अंतिम चरण में हैं। डीएम सविन बसंल ने बताया कि सभी पार्किंग पर छत लगाने की भी अनुमति भी दे दी है। कहा कि कोरोनेशन अस्पताल परिसर में स्वास्थ्य सेवाओं के साथ अब भौतिक ढांचे को भी स्मार्ट बनाया जा रहा है, जिससे शहर की चिकित्सा व्यवस्था और अधिक सुव्यवस्थित हो सकेगी।

ईद–उल–जुहा के दृष्टिगत आयोजित हुई बैठक

अल्मोड़ा। आज बुधवार को कोतवाली अल्मोड़ा में *सीओ अल्मोड़ा गोपाल दत्त जोशी की अध्यक्षता में तहसीलदार ज्योति धपवाल, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अल्मोड़ा, योगेश चन्द्र उपाध्याय,निरीक्षक एलआईयू मनोज भारद्वाज,उपनिरीक्षक बसन्त कुमार,प्रभारी चौकी धारानौला आनन्द बल्लभ कश्मीरा,नगर निगम,जल संस्थान के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आगामी ईद–उल–जुहा (बकरीद) पर्व के दृष्टिगत पीस कमेटी के पदाधिकारियों,सदस्यों, व्यापार मण्डल व क्षेत्र के सम्भ्रान्त व्यक्तियों के साथ पीस कमेटी की गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यशाला में छात्रों को दी समान नागरिक संहिता की जानकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

थलीसैंण : राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय थलीसैंण में आईक्यूएसी, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में उत्तराखण्ड में समान नागरिक संहिता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं को यूसीसी के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

बुधवार को आयोजित कार्यशाला में राजनीति विज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. विकास प्रताप सिंह ने संदर्भदाता के रुप में समान नागरिक संहिता के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारत में विवाह, तलाक, गोद लेने और उत्तराधिकार को लेकर विभिन्न धर्मों के अपने पर्सनल लॉ है। उत्तराखण्ड

पहला ऐसा राज्य है, जिसमें समानता, निष्पक्षता और सुव्यवस्थित शासन के उद्देश्य से समान नागरिक संहिता राज्य में लागू किया है। कहा कि 25 जनवरी, 2025 से पूरे प्रदेश में लागू इस कानून में पुरुषों के साथ ही महिलाओं को भी समानांतर अधिकार प्राप्त होंगें। उन्होंने समान नागरिक संहिता के विभिन्न प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। इस मौके पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. योगेन्द्र चन्द्र सिंह ने यूसीसी से जुड़े विषय पर जन जागरूकता के महत्व पर जोर दिया। कार्यशाला का संचालन सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी विभाग डॉ. प्रमिल्ला चौहान ने किया।

रुक-रुक कर हुई बारिश, आम जन जीवन अस्त-व्यस्त

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : बुधवार की सुबह से ही मौसम का मिजाज बदला रहा। दोपहर तक रुक-रुक कर झमाझम बारिश होती रही। जिससे दिनभर आम जन जीवन अस्त-व्यस्त रहा। अचानक बदले मौसम के मिजाज से शहर में लोग गर्म कपड़े पहने हुए नजर आए।

क्षेत्र में इस वर्ष मई महीने में कुछ दिनों के अंतराल से बीच-बीच में बारिश होती रही। बारिश होने से खेती-बाड़ी, बागवानी को फायदा होने के साथ ही जंगलों में लगने वाली आग से भी बचाव हुआ।

इसके साथ ही समय-समय पर बारिश होने से पेयजल स्रोत रिचार्ज होते रहे व पेयजल संकट से क्षेत्र के लोगों को निजात मिली। इस साल पिछले साल की तुलना में मई महीने में ठीक ठाक बारिश हुई। मौसम विभाग द्वारा मानसून समय से पहले आने अनुमान के चलते उम्मीद है कि इस वर्ष अच्छी बारिश होगी। बारिश होते रहने से सीजनल खेती-बाड़ी के काम मिर्च, हल्दी, अदरक आदि बोने के लिए भी किसानों को अच्छा समय मिल गया। काश्तकार खेतों में मिर्च, अदरक, हल्दी आदि लगा रहे हैं। पहाड़ की खेती-बाड़ी अधिकांश आसमानी बारिश पर ही निर्भर होती है। बारिश उचित मात्रा व समय पर होने से किसानों की फसल अच्छी होने की उम्मीद बनी रहती है। कोचियार के किसान महेंद्र सिंह, जगमोहन सिंह, जमणधार के किसान जगतराम देवरानी, मंथा देवी आदि का कहना है कि बारिश होने से इस वर्ष मिर्च समय पर लगाने से अच्छी फसल की उम्मीद है।

बारिश का किसानों को मिलेगा लाभ

क्षेत्रीय वनाधिकारी सुभाष घिल्डियाल का कहना है कि इस वर्ष चीड़ का पिरुल जंगल से इकट्ठा किया जा रहा है। साथ ही समय-समय पर बारिश होने से फायर सीजन में रिजर्व फॉरेस्ट व सिविल फारेस्ट में फैलने वाली आग से बचाव होता रहा व इस बार दावानल की एक भी घटना दर्ज नहीं हुई। सहायक कृषि अधिकारी राकेश शर्मा का कहना है कि समय पर बारिश का किसानों को लाभ मिलेगा। नकदी फसल मिर्च आदि लगाने के लिए यह अच्छा मौका है। उद्यान प्रभारी राजेंद्र सिंह बिष्ट का कहना है कि साग सब्जी के साथ ही मानसून की अच्छी बारिश होने पर आम, अमरुद, कीवी आदि के बाग लगाने के लिए किसान तैयारी कर सकते हैं।

पौड़ी महोत्सव में अतुल और कश्यम के गीतों पर जमकर थिरके लोग

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जय कंडोलिया पौड़ी महोत्सव की चौथी सांस्कृतिक संध्या में अतुल पंडित और सुरभि कश्यप ने नए-पुराने हिंदी गीतों से दर्शकों का देर रात तक बांधे रखा। शिखा मल्होत्रा ने भी सांस्कृतिक संध्या में माहौल को खुशनुमा बना दिया।

सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ करते हुए मुख्य अतिथि व्यापार सभा के अध्यक्ष विनय शर्मा ने कहा कि आयोजन में शहरवासियों का सहयोग सदैव से रहा है, जो इसकी सफलता को दर्शाता है। शहर के सांस्कृतिक, साहित्यिक और सामाजिक आयोजनों में व्यापार सभा सदैव अग्रणीय भूमिका निभाएगी। गणेश वंदना, गणपति बप्पा मोरिया नृत्य से सांस्कृतिक संध्या की शुरुआत की। इसके बाद कहते हैं प्यार से इंडिया वाले.. पर नृत्य, गायिका सुरभि कश्यप ने मेरा महबूब.., दिल ने किया है इशारा.., ओय ओय.., हुस्न है सुहाना.., मन लेके आया माता रानी के भवन में.., ह्यून का दिना.., बेडू पाको बारामास.., चुनरी तेरी चमकनी.. हिंदी गढ़वाली गीतों से समां बांधा।

कलाकारों ने हिंदी रीमिक्स गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। अतुल पंडित ने तेरे बिना.., प्रीत की लत मोहे ऐसी लागी.., जुल्म सिर्फ इतना है उनसे प्यार करते हैं.., मैं प्रेम का प्याला पी आया.., हमे तुमसे प्यार कितना.., जिंदा रहने के लिए तेरी कसम.., दिल दिया है जान भी देंगे.., राम भजो जी, राम भजो जी.. आदि बहुत से हिंदी गीत गाकर अपनी गायिकी की एक अलग छाप छोड़ी।

बन्नू स्कूल प्रबंध समिति के चुनाव आठ को

देहरादून। सनातन धर्म इंटर कॉलेज (बन्नू) रेसकोर्स की प्रबंध समिति के चुनाव आठ जून को होंगे। बुधवार को समिति की बैठक में ये तय किया गया। बैठक में अध्यक्ष हरीश विरमानी और उनकी टीम ने पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

उन्होंने बताया कि छात्र संख्या प्रबंध समिति और शिक्षकों के प्रयासों से 1,000 से अधिक हो गई है। जबकि विद्यालय में पढ़ने वाली सभी बालिकाओं को निशुल्क शिक्षा और ड्रेस दी जा रही है। वहीं 13 अस्थायी शिक्षकों, एक माली और प्राइमरी अनुभाग के लिए एक चौकीदार की नियुक्ति की गई। प्रतिभाशाली छात्रों को मासिक छात्रवृत्ति और जरूरतमंद छात्रों को हर संभव सहायता प्रदान की गई।

श्री कृष्ण जन्म की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु, जयकारों से गूंजा पंडाल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड कल्जीखाल की मनियारस्यूं पट्टी के ग्राम सुराल गांव में शहीद मनीष पटवाल शौर्य चक्र विजेता की पुण्य स्मृति में आयोजित श्रीमद् भागवत पुराण यज्ञ कथा के चर्तुथ दिवस पर बुधवार को भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भारी संख्या में श्रोता पहुंचे। श्रीकृष्ण की जन्म कथा का प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव विभोर हो उठे।

कथा वाचक आचार्य मनोज थपलियाल ने कहा कि व्यक्ति को अहंकार नहीं करना चाहिए, अहंकार बुद्धि और ज्ञान का हरण कर लेता है। अहंकार ही मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। श्री थपलियाल ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का प्रसंग सुनाया। कहा कि भगवान कृष्ण के जन्म लेते ही जेल के सभी बंधन टूट गए और भगवान श्रीकृष्ण गोकुल पहुंच गए। कहा कि जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान धरती पर

अवतरित होते हैं। जैसे ही कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण का जन्म हुआ पूरा पंडाल जयकारों से गूंजने लगा। कथा श्रवण करने पहुंचे क्षेत्रीय विधायक राजकुमार पोरी ने कहा कि हम सभी देवताओं में आस्था रखते है, पुनर्जन्म में विश्वास रखते है। हम जल, थल, गगन, वृक्षों को पूजते है। उन्होंने व्यासपीठ के माध्यम से उपस्थित श्रोताओं से निवेदन किया कि आजकल वृक्ष रोपण कार्यकम चल रहा है, मां के नाम पर एक वृक्ष जरूर लगाएं, ताकि हमारा सनातन संस्कृति एवं पर्यावरण संरक्षण हो सके। इस दौरान कथा वाचक आचार्य मनोज थपलियाल ने कथा श्रवण करने आए सभी विशेष अतिथियों को अंग वस्त्र भेंटकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार धार्मिक आयोजनों में जनप्रतिनिधि का आगमन पर क्षेत्र में विकास कार्यों को गति मिलती हैं। इस अवसर पर द्वारीखाल ब्लॉक प्रशासक महेंद्र सिंह राणा, पंडित महेश जुयाल, दीपक जोशी, अनूप जुगराण, लखीराम डबराल, अनूप थपलियाल, आशुतोष रावत, श्रीमती शांति देवी, जगमोहन पटवाल, उत्तम पटवाल, ममता नयाल, अशोक नयाल आदि मौजूद रहे।

तलवार से हमला करने वाले सात युवक गिरफ्तार, पांच बाईक सीज, तीन तलवारें बरामद

इन युवाओं को किया गिरफ्तार

श्रीनगर : सीओ श्रीनगर अनुज कुमार ने कहा कि देर रात्रि श्रीनगर में कुछ आरोपी युवकों और स्थानीय युवकों के बीच आपस में वाद-विवाद होने के बाद मारपीट हो गयी थी। मारपीट के दौरान कुछ स्थानीय युवक घायल हो गये थे। पुलिस द्वारा कार्यवाही कर जानलेवा हमला सहित सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। सभी आरोपियों को रुद्रप्रयाग से गिरफ्तार कर मोटर साइकिलों को सीज और हथियार कब्जे में लिये गये हैं। मामले में 30 वर्षीय जसकरण सिंह पुत्र सतविन्दर सिंह, निवासी ग्राम गरही अजीत सिंह नवाशहर, पंजाब, 24 वर्षीय गुरप्रीत सिंह पुत्र बलवन्त सिंह, निवासी ग्राम धालीवाल तहट नकोदर, पंजाब, 18 वर्षीय जशनदीप सिंह पुत्र गुरुमेल, निवासी धाबलका तष्ट नकोदर, पंजाब, 23 वर्षीय चरनप्रीत पुत्री छोटूराम निवासी शनदवार जालंधर, पंजाब, 26 वर्षीय जसकान सिंह पुत्र रणजीत निवासी ग्राम लांदरा तहट फिल्लौर, जालंधर पंजाब, 23 वर्षीय सुखप्रीत सिंह पुत्र मंगतराम निवासी धालीवाल तष्ट नकोदर, जांलधर पंजाब, 29 वर्षीय रमनदीप सिंह पुत्र जगतार सिंह निवासी गरही महानसिंह, जालंधर पंजाब को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। (एजेंसी)

श्रीनगर गढ़वाल : कोतवाली श्रीनगर क्षेत्रांतर्गत पेट्रोल पंप के समीप मंगलवार देर रात्रि सिख यात्रियों और स्थानीय युवाओं के बीच अचानक कहासुनी के बाद बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। मारपीट में यात्रियों ने तलवार से हमला कर स्थानीय युवक को घायल कर दिया। स्थानीय युवाओं के हल्ला करने के बाद यात्री बाइक के साथ रुद्रप्रयाग की ओर फरार हो गये। मामले को लेकर स्थानीय युवकों ने कोतवाली श्रीनगर में शिकायती पत्र दिया। कोतवाली को दिये पत्र में घायल पवन ने बताया कि देर रात्रि 12 बजकर 10 मिनट पर वह अपने दो दोस्तों मयंक और अभिषेक के साथ पेट्रोल पम्प के पास खड़े थे। कहा कि तभी पांच बुलेट बाइकों के साइलेंसर से पटाके फोड़ते हुए बाइक सवार सामने आ पहुंचे। बताया कि उन्होंने बाइक सवारों से शांति बनाये रखने की बात कही, जिसके जवाब में बाइक सवार गाली-गलौज और मारपीट पर उतर आए। पवन ने बताया कि सिख यात्रियों ने तलवार हाथ में निकाल कर हमला करने की कोशिश की, जिसमें वह घायल हो गये। एसआई मुकेश गैरोला के अनुसार मेडिकल रिपोर्ट में घायल पवन की कमर में जख्म हैं। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि साइलेंसर से तेज आवाज करने पर स्थानीय युवाओं द्वारा शांतिपूर्ण तरीके से बाइक चलाने को लेकर यात्रियों के साथ कहासुनी हो गयी, जिसके बाद दोनों पक्ष आपस में झगड़ पड़े और मारपीट हो गई।

निकायों को सशक्त बनाने के लिए सेतु आयोग ने सीएम को सौंपी रिपोर्ट

देहरादून। सेतु आयोग ने निकायों को सशक्त बनाने के लिए जल आपूर्ति, सार्वजनिक स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण आदि कार्यों का जिम्मा देने का सुझाव है। बुधवार को सेतु आयोग के उपाध्यक्ष राजशेखर जोशी ने सचिवालय में संबंधित रिपोर्ट मुख्यमंत्री पुष्कर धामी को सौंपी है। आयोग ने नगर निकायों के सशक्तिकरण की दिशा में गहन विश्लेषण आधारित यह रिपोर्ट तैयार की। जोशी ने रिपोर्ट सौंपते हुए कहा कि नगर निगम और निकायों को स्वावलंबी बनाना जरूरी है। इन्हें सशक्त बनाने और जन समस्याओं को सुधारने की दिशा में कई अहम सुझाव दिए गए हैं। कहा कि निकायों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए वित्तीय स्वायत्तता और राजस्व जुटाने की क्षमता बढ़ाने लिएर भारतीय संविधान की 12वीं अनुसूची में शामिल 18 कार्यों को निकायों को हस्तांतरित करना जरूरी है।

पर्यावरण संरक्षण में उत्तराखण्ड़वासियों की रही महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें एकजुट होकर प्रकृति के संरक्षण की दिशा में भी चिन्तन करना होगा। पर्यावरण संरक्षण को जीवन से जुड़ा विषय बताते हुए उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण उत्तराखण्डवासियों के स्वभाव में है। हरेला जैसे पर्व प्रकृति से जुडने की हमारे पूर्वजों की दूरगामी सोच का ही परिणाम है। पर्यावरण संरक्षण में उत्तराखण्ड़वासियों की अग्रणी भूमिका रही है। प्रदेश सरकार समृद्ध जैव संसाधनों के संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध हैं। उत्तराखण्ड अपनी वन सम्पदा और नदियों के कारण पर्यावरण संरक्षण की मुहिम का ध्वजवाहक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी प्रयासों के साथ ही आम लोगों, जन प्रतिनिधियों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन चेतना जागृत करने और इसके संवर्द्धन में निरंतर सक्रिय योगदान करना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के साथ ही नदी और जल स्रोतों की साफ सफाई के लिए भी पूरा प्रयास जरूरी है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पर्यावरण में हो रहे बदलावों, ग्लोबल वार्मिंग के साथ ही जल, जंगल, जमीन से जुड़े विषयों पर समेकित चिंतन की भी जरूरत बतायी है। सामाजिक चेतना तथा समेकित सामूहिक प्रयासों से ही हम इस समस्या के समाधान में सहयोगी बन सकते हैं। मुख्यमंत्री ने पर्यावरण दिवस के उपलक्ष में प्रदेशभर में संचालित पौधारोपण एवं स्वच्छता अभियान में सभी लोगों से बढ़चढ़ कर प्रतिभाग करने की अपील करते हुए एक पेड़ माँ के नाम अभियान को विशेष रूप से प्रोत्साहित करने और उत्तराखण्ड को प्लास्टिक मुक्त बनाने के लिए जागरूकता अभियान चलाने पर भी जोर दिया है।

राजस्व उपनिरीक्षको ने किया दूसरे दिन भी कार्य बहिष्कार

अल्मोड़ा। पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, राजस्व उप निरीक्षक एवं राजस्व सेवक संघ ने आज दूसरे दिन बुधवार को भी कार्य बहिष्कार किया। वक्ताओं ने कहा कि राजस्व पुलिस का कार्य नियमित पुलिस को देने और अंश निर्धारण खतौनी को तैयार करने के लिए लैपटॉप, इंटरनेट के लिए डाटा पैक देने की मांग की। इधर पटवारियो के दो दिन का कार्य बहिष्कार किये जाने पर जाति, स्थाई समेत अन्य प्रमाण पत्र बनाने, भूमि सर्वे, सीमांकन का काम प्रभावित रहा।

आज वुद्धवार को कार्य वहिष्कार तहसील मुख्यालय परिसर मे धरना–प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर राजस्व निरीक्षक हरकिशन, राजस्व उप निरीक्षक संघ अध्यक्ष संजय कुमार, राजस्व उप निरीक्षक प्रकाश देवतुल्ला, महेश प्रशाद, सचिन कुमार, विनय भट्ट , वीरेन्द्र मेहरा, प्रियम पंवार, निखिल त्यागी,नवीन चन्द्र, पंकज बिष्ट,जमुना राणा, जगमोहन शाह,बिजय मेहरा, अनुसेवक जय सिंह, पूरन चन्द्र, बालम सिंह आदि शामिल रहे।

सनातन धर्म इंटर कॉलेज (बन्नू), रेसकोर्स की प्रबंध समिति का चुनाव आठ जून को

देहरादून। सनातन धर्म इंटर कॉलेज (बन्नू), रेसकोर्स की प्रबंध समिति के आगामी चुनाव, जो 8 जून 2025 को निर्धारित हैं, के संदर्भ में, टीम हरीश विरमानी ने एक बैठक आयोजित की। इस अवसर पर, टीम ने अपने पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं को साझा किया।

उन्होंने बताया कि छात्र संख्या में वृद्धिः प्रबंध समिति और शिक्षकों के प्रयासों से विद्यालय की छात्र संख्या 1,000 से अधिक हो गई है।बालिकाओं के लिए निःशुल्क शिक्षाः विद्यालय में पढ़ने वाली सभी बालिकाओं को निःशुल्क शिक्षा और गणवेश प्रदान किया गया।

बीपीएड एमपीएड बेरोजगारों ने मांगी इच्छा मृत्यु

देहरादून। प्रदेश के बीपीएड एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगारों ने इच्छा मृत्यु मांगी है। बुधवार को उन्होंने डीएम के माध्यम से राष्ट्रपति,राज्यपाल और मुख्यमंत्री को ज्ञापन देकर ये मांग की। बेरोजगार संघ के अध्यक्ष जगदीश पांडे ने कहा कि पिछले 15 सालों से अपने रोजगार के लिए शासन प्रशासन और राज्य सरकार से लगातार पत्राचार करते आ रहे हैं। आंदोलन भी किए। लेकिन सरकार ने आज तक सुध नहीं ली। कहा कि हैरानी की बात है कि सरकार को हमारी डिग्रियों और प्रशिक्षण की कोई उपयोगिता नहीं दिखती। ऐसे में वे अब ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। कहा कि कुछ समय पहले तक बीपीएड डिग्रीधारकों को प्राथमिक शिक्षा के तहत विशिष्ट बीटीसी में सहायक अध्यापक के पदों पर भर्ती की जाती थी। लेकिन 2006 से यह भर्ती बंद हो गई। जिसके तहत हम बीपीएड बेरोजगारो को दरकिनार कर दिया गया था और ना ही हमारे लिए कोई ठोस नीति बनाई गई। जब से नई शिक्षा नीति 2020 लागू हुई है तब से बीपीएड एमपीएड प्रशिक्षित बेरोजगारों में आस जगी थी। जिसमें कि यह कहा है कि प प्रत्येक प्राथमिक से लेकर उच्च माध्यमिक स्कूलों में एक–एक शारीरिक शिक्षक नियुक्त करना अनिवार्य होगा। जिससे कि बच्चों को शुरू से ही खेलों के बारे में जानकारी हासिल करें और वह अपना शारशारीरिक मानसिक विकास के साथ–साथ अपना सर्वांगीण विकास भी कर सके।

शोध और विकास पारिस्थितिकी में सुधार के लिए आईआईपी में नीति आयोग की बैठक

देहरादून। देश में अनुसंधान और विकास पारिस्थितिकी तंत्र में सुधार पर दूसरी राष्ट्रीय परामर्श बैठक नीति आयोग सदस्य डॉ. वीके सारस्वत के अध्यक्षता में सीएसआईआर–आईआईपी मोहकमपुर में हुई। दो दिनी बैठक में भारतीय अनुसंधान और विकास पारिस्थिति की चुनौतियों के समाधान पर चर्चा की गई। इस संदर्भ में पिछले माह लखनऊके राजभवन में पहली परामर्शी बैठक हुई थी। नीति आयोग की इस पहल का उद्देश्य देश में एक प्रगतिशील, नवाचार–संचालित तथा सक्रिय अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र की स्थापना करना है, जिसमें सरकारी अनुसंधान और विकास संस्थानों तथा प्रयोगशालाओं के सामर्थ्य को बढाने और मज़बूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। डॉ. एन. कलैसेल्वी महानिदेशक सीएसआईआर और सचिव डीएसआईआर, प्रो. आशुतोष शर्मा अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, डॉ. हरेन्द्र सिंह बिष्ट निदेशक सीएसआईआर–आईआईपी, नीति आयोग के वरिष्ठ सलाहकार प्रो. विवेक कुमार सिंह, प्रमुख वैज्ञानिक मंत्रालयों और विभागों के अन्य वरिष्ठ प्रतिनिधियों की उपस्थिति में बैठक का उद्घाटन किया गया। प्रो. विवेक कुमार सिंह ने संस्थागत दक्षता, नवाचार–केंद्रित शासन और उन्नत उद्योग–शैक्षणिक सहयोग पर केंद्रित विषय के अपनी बात रखी। नीति आयोग सदस्य डॉ. वीके सारस्वत ने भारतीय सरकारी अनुसंधान, विकास संस्थानों को सक्रिय, स्वायत्त तथा मिशन–संचालित पारिस्थितिकी तंत्र में नएपन पर जोर दिया। वैज्ञानिक अनुसंधानों में सरकारी प्रक्रिया में होने वाली देरी से निपटने के लिए विकेंद्रीकृत, निर्णय लेने में सक्षम, समय पर बजट की उपलब्धता से सशक्त बनाने का सुझाव दिया। डॉ. सारस्वत ने हितधारकों के साथ निरंतर जुड़ाव और नीतिगत सिफारिशों में सुधारों की नीति आयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया। डॉ. एन. कलैसेल्वी अपना सुझाव देते हुए सहयोगात्मक शासन और शैक्षणिक साझेदारी को बढ़ाने जोर दिया। प्रो. आशुतोष शर्मी अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी ने विज्ञान के मानवीय आयामों पर चर्चा की साथ ही शोधकर्ताओं में अधिक विश्वास, प्रबंधन में सुधार, विज्ञान में कॅरियर के सरल मार्गों के निर्माण की जरुरत बताई।

भारतीय भाषा समर कैम्प में पर्यावरण से संबंधित गतिविधियों में बच्चों ने की सक्रिय प्रतिभागिता

अल्मोड़ा। भारतीय भाषा समर कैम्प के सातवें दिवस पर समर कैम्प राजकीय आदर्श प्राथमिक विद्यालय बासोट में प्रातः सभी बच्चों द्वारा गढ़वाली वंदना के उपरांत योगाभ्यास किया गया। जिसमें अनुलोम – विलोम, कपालभारती, भ्रामरी का योगाभ्यास कराया गया। तत्पश्चात महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा उत्तराखंड देहरादून से प्राप्त निर्देशों के क्रम में दिवस वार प्रस्तावित गतिविधियों के अनुसार सन्दर्भदाता शिक्षकों के द्वारा बच्चों को पर्यावरण संबंधित प्रश्नोतरी करायी। सभी बच्चों ने प्रश्नोतरी में सक्रिय रुप से प्रतिभाग किया। अनमोल, बबीता, निर्मला,सोम्या के द्वारा वृक्षों के महत्व पर अपनी बात रखी गयी। वाद–विवाद प्रतियोगिता में हर्षिता भंड़ारी , तनु, कामना उप्रेती , हर्षिता कड़ाकोटी व निशा ने सक्रिय प्रतिभाग किया। मुख्य सन्दर्भदाता कृपाल सिंह शीला , दयाशंकर गिरी, ठाकुर पाल सिंह ने बच्चों को अपने पर्यावरण को स्वच्छ बनाये रखने के लिए अजैविक कचरे का समय–समय पर कचरे का निपटारा किये जाने पर बल दिया। हमारा पर्यावरण साफ ,स्वच्छ हो, इसके लिए हम अधिक से अधिक वृक्षारोपण करें। जब पेड़ –पौधे है, तब हम हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com